Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 223 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 22 फरवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जिसकी दृष्टि सम्यक हो, वह कभी कर्त्तव्य विमुख नहीं होता है।

One, who has fair perspective, never looses the way of duty.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

रायपुर के रहवासी इलाके में दिखा जंगली सियार, दहशत में आए रहवासी

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के निजी कॉलोनी में जंगली जानवर दिखने से लोग दहशत में हैं। देर रात 2-3 बजे सड्डू कैपिटल सिटी फेस वन में जंगली सियार दिखा। सीसीटीवी में तस्वीर कैद हुई। इससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, सड्डू कैपिटल सिटी फेस वन में जंगली सियार दिखा है। इससे लोग दहशत में है। कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरे में सियार घूमते हुए दिखा है। वहीं वन अमला भी अलर्ट मोड पर है।

इसरो के वैज्ञानिक आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कल नई दिल्ली में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चेयरमैन वी. नारायणन ने भेंट कर छत्तीसगढ़ में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उपयोग से कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में नवाचारों को बढ़ावा देने पर गहन चर्चा की। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ में सैटेलाइट आधारित सर्वेक्षण, भू-मानचित्रण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और स्मार्ट एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि, जल संसाधन, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में तकनीकी नवाचारों का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुनकुरी में डायलिसिस सेंटर का किया शुभारंभ

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में एक और महत्वपूर्ण कदम

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सीएम कैंप कार्यालय, बगिया में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुनकुरी में चार बिस्तरों वाले डायलिसिस सेंटर का वर्चुअल शुभारंभ किया। यह डायलिसिस सेंटर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे कुनकुरी और आसपास के मरीजों को अब इलाज के लिए अंबिकापुर या रांची जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य सुविधाएं जन-जन तक आसानी से पहुंचे। कुनकुरी में डायलिसिस सेंटर के प्रारंभ होने से अब मरीजों को लंबी यात्रा नहीं करनी पड़ेगी और उन्हें घर के पास ही उत्तम उपचार मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जशपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। यह पहल जिले के नागरिकों को त्वरित, सुलभ और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और उन्नत बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। जशपुर जिले के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कुनकुरी में 220 बिस्तरों वाले आधुनिक अस्पताल की स्वीकृति भी दी जा चुकी है, जिससे जिले के नागरिकों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकेंगी।

डायलिसिस सेवाएं अब और सुलभ : जशपुर जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत गरीब और जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क डायलिसिस सेवाएँ प्रदान करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में जिला चिकित्सालय जशपुर में 5 बिस्तरों वाली डायलिसिस यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पत्थलगांव में 3 बिस्तरों वाली डायलिसिस यूनिट संचालित हैं। इसी कड़ी में अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुनकुरी में 4 बिस्तरों वाली डायलिसिस यूनिट प्रारंभ की गई है। इससे जिले के 75 से अधिक किडनी रोगी लाभान्वित होंगे, जिन्हें अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। अब तक जिले में कुल 217 मरीजों को 18,171 डायलिसिस सेशन दिए जा चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर रायगढ़ सांसद श्री राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, श्री कृष्णा राय, सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती गोमती साय, नव-निर्वाचित दुलदुला बीडीसी श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे।

सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है भारत : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में सोल लीडरशिप सम्मेलन के पहले संस्करण का उद्घाटन किया. इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हर क्षेत्र में अच्छे नेताओं को विकसित करने की बहुत जरूरत है. उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, हमें हर क्षेत्र में इस गति को बढ़ाने के लिए विश्व स्तर के नेताओं की आवश्यकता है. इस अवसर पर वे उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे।

इससे पहले पीएमओ की ओर से जारी जानकारी में बताया गया था कि भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य भाषण देंगे. 21 से 22 फरवरी तक चलने वाला दो दिवसीय सोल लीडरशिप सम्मेलन एक प्रमुख मंच के रूप में काम करेगा, जहां राजनीति, खेल, कला और मीडिया, आध्यात्मिक दुनिया, सार्वजनिक नीति, व्यवसाय और सामाजिक क्षेत्र जैसे विविध क्षेत्रों के नेता अपनी प्रेरक जीवन यात्राएं साझा करेंगे और नेतृत्व से संबंधित पहलुओं पर चर्चा करेंगे. सम्मेलन सहयोग और विचार नेतृत्व के एक इकोसिस्टम को बढ़ावा देगा, जिससे युवा दर्शकों को प्रेरित करने के लिए विफलताओं और सफलताओं दोनों से सीखने की सुविधा मिलेगी। स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप गुजरात में एक आगामी नेतृत्व संस्थान है जो जनता के सेवकों को जनहित में आगे बढ़ाने में सक्षम बनाएगा. इसका उद्देश्य औपचारिक प्रशिक्षण के माध्यम से भारत में राजनीतिक नेतृत्व के परिदृश्य को व्यापक बनाना और उन लोगों को शामिल करना है जो केवल वंशानुगत राजनीति से नहीं बल्कि सार्वजनिक सेवा के लिए योग्यता, प्रतिबद्धता और जुनून के माध्यम से आगे बढ़ते हैं. सोल आज की दुनिया में नेतृत्व की जटिल चुनौतियों का मार्गनिर्देशन करने के लिए आवश्यक जानकारी, कौशल और विशेषज्ञता लाता है।

पीएम मोदी 9.80 करोड़ किसानों के खातों में डालेंगे 22 हजार करोड़ रुपए : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के खाते में 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 19वीं किस्त के रूप में 22 हजार करोड़ रुपए की राशि जारी करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' ने छोटे किसानों की जिंदगी बदली है। ऐसे किसान जो लघु और सीमांत है विशेषकर उनकी खाद-बीज की जो आवश्यकता होती थी, उसे पूरा करके उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर से लगभग 9 करोड़ 80 लाख किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त के रूप में 22 हजार करोड़ रुपये की राशि जारी करेंगे।

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी मिल गई है. उन्हें कल पेट से जुड़ी समस्याओं के चलते यहां भर्ती कराया गया था. सर गंगाराम अस्पताल प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया गांधी को पेट संबंधी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है और फिलहाल उनकी हालत स्थिर है. गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ डॉ. समीरन नंदी की देखरेख में डॉक्टरों की एक टीम उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है.

मुख्यमंत्री साय अपने 61वें जन्मदिन के अवसर पर गृह ग्राम पहुच माँ से लिया आशीर्वाद

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के सीएम साय अपने 61वें जन्मदिन को बेहद सादगी के साथ मनाते नजर आ रहे हैं. उन्होंने इस खास दिन पर अपनी पत्नी के साथ गृहग्राम जाकर मां से आशीर्वाद लिया. उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर भी कविता के माध्यम से अपनी मां के प्रति प्रेम व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट पर लिखा- मां द्वारे की तुलसी जैसी, मां बरगद की छाया-सी, मां कविता की सौम्य पंक्तियां, महाकाव्य की काया-सी। बता दें, इस अवसर पर सीएम साय अपने कार्यकर्ताओं के साथ सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे और स्कूली बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाएंगे. सीएम ने बच्चों के लिए न्योताभोज का भी आयोजन किया है।

सीएम के जन्मदिन पर पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य समेत देश के कई नेताओं ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है।

एक्शन मोड में दिल्ली सरकार

'शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर' में अपग्रेड होंगे मोहल्ला क्लीनिक

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की सत्ता संभालने के बाद रेखा सरकार अब एक्शन मोड में काम कर रही है। इस बीच दिल्ली सरकार ने 553 मौजूदा मोहल्ला क्लीनिकों को 'शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर' (यू-एएएम) में अपग्रेड करने का फैसला किया है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए 17 फरवरी 2025 को दिल्ली सचिवालय में सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, जीएनसीटीडी/अध्यक्ष, राज्य स्वास्थ्य सोसायटी (दिल्ली) की अध्यक्षता में 11 जिलों के सभी जिला मजिस्ट्रेट के साथ बैठक आयोजित की गई थी।

बैठक की शुरुआत में मिशन निदेशक ने बताया कि जीएनसीटीडी में निम्नलिखित आयुष्मान भारत योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इस बैठक में पीएम-जेएवाई के कार्यान्वयन, एचडब्ल्यूसी/ एएएम, दिल्ली के लोगों के लिए आयुष्मान भारत इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) को लागू करने पर जोर दिया गया था।

मणिपुर में उग्रवादियों को राज्यपाल का अल्टीमेटम, कहा- 'आपके पास बस 7 दिन', और फिर...

नई दिल्ली (आरएनएस)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद गवर्नर अजय कुमार भल्ला की तरफ से एक बयान जारी किया गया है। इसमें मणिपुर की सभी कम्युनिटी से लूटे हुए और गैरकानूनी तरीके से रखे गए हथियारों और गोला-बारूद को एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने को कहा गया है। गर्वनर ने कहा है कि डेडलाइन के अंदर हथियार लौटाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ में ये भी कहा गया है कि अगर कोई 7 दिन की डेडलाइन के बाद भी लूटे या गैरकानूनी हथियार रखता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि मणिपुर में पिछले 2 साल से मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय संघर्ष चल रहा है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनके कैबिनेट मंत्रियों ने 9 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद से ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है।

'मिशन क्लीन सिटी' के तहत कार्यरत स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों के लिए सरकार ने खोला राहत का पिटारा

- रोटेशन पर साप्ताहिक अवकाश मिलेगा, 8 घंटे की कार्यावधि निर्धारित, हर महीने एक दिन का सवैतनिक आकस्मिक अवकाश भी
- सभी स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का श्रम विभाग में होगा पंजीयन, योजनाओं का मिलेगा लाभ
- राज्य शासन ने नगरीय निकायों को जारी किए नए दिशा-निर्देश, कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा
- हर महीने स्वास्थ्य परीक्षण, हर तीन महीने में ब्लड टेस्ट, थॉयरॉइड टेस्ट, एलडीएच टेस्ट, टोटल कोलेस्ट्रॉल टेस्ट सहित कई तरह की जांच
- वर्दी, एप्रेन, दस्ताने, मोजे, मास्क, जूते, टोपी और रेनकोट भी दिए जाएंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत नगरीय निकायों में कार्यरत स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों के लिए राहत का पिटारा खोला है। राज्य शासन द्वारा उनके लिए आठ घंटे की कार्यावधि निर्धारित करने के साथ ही साप्ताहिक अवकाश और महीने में एक दिन का सवैतनिक आकस्मिक अवकाश प्रदान करने के संबंध में नए दिशा-निर्देश सभी नगरीय निकायों को जारी किए हैं। साथ ही सभी स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का श्रम विभाग में पंजीयन कराकर विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करने के भी निर्देश दिए हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगरीय निकायों में लागू 'मिशन क्लीन सिटी' के तहत निर्मित अधोसंरचना तथा स्वसहायता समूहों के संचालन एवं संधारण के लिए वर्ष 2016 में जारी निर्देशों को संशोधित कर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये नए दिशा-निर्देश रायपुर, भिलाई और रिसाली को छोड़कर शेष सभी नगर निगमों तथा सभी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में लागू होंगे। निकायों में कार्यरत् विभिन्न स्वसहायता समूहों की मांगों पर संवेदनशीलता से विचार करते हुए उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने नगर निगम आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस संबंध में परिपत्र जारी कर नए निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा है। सभी क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को समय-समय पर निकायों का भ्रमण कर इन निर्देशों का पालन किया जाना प्रतिवेदित करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

बलौदाबाजार हिंसा : 7 महीने बाद जेल से रिहा हुए विधायक देवेंद्र यादव

सेंट्रल जेल के बाहर उमड़ी समर्थकों की भीड़

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार हिंसा मामले में विधायक देवेन्द्र यादव जेल से रिहा हो गए हैं। देवेंद्र यादव आगजनी और हिंसा मामले में पिछले 7 महीनों से जेल में बंद थे। मामले में रिहाई का आदेश बलौदाबाजार कोर्ट से पारित किया जिसके बाद रिहाई के आदेश की कॉपी को देवेंद्र यादव के वकील ने सेंट्रल जेल में प्रस्तुत किया। जिसके बाद अब उन्हें रायपुर के सेन्ट्रल जेल से रिहा कर दिया गया है।

विधायक देवेन्द्र यादव 7 महीने 4 दिन बाद जेल से बाहर आ गए हैं। सेन्ट्रल जेल के बाहर विधायक देवेंद्र यादव के परिवार वाले भी मौजूद है। वहीं उनके समर्थकों की भारी भीड़ जमा हो गई है,जो फूल माला मिठाई लेकर पहुंचे हैं। वहीं जेल के बाहर आते ही समर्थक जमकर आतिशबाजी करते हुए नजर आए। इस दौरान भीड़ को देखते हुए पुलिस ने जेल के बाहर जबरदस्त बैरिगेटिंग की है। वहीं मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किए गए हैं। विधायक देवेंद्र यादव के बड़े भाई रोहित यादव ने जमानत कराई है। इस दौरान यादव को 25- 25 हजार के दो जमानत पर रिहा किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, जमानत की प्रक्रिया बलौदाबाजार जिला सत्र न्यायालय में पूरी की गई। न्यायाधीश ने 25-25 हजार रुपये की दो जमानत राशि निर्धारित की थी। जिसके बाद विधायक देवेंद्र यादव के बड़े भाई रोहित यादव ने ली। रिहाई आदेश की प्रति मिलने के बाद उनके वकील इसे रायपुर सेंट्रल जेल में प्रस्तुत किया। जिसके बाद ही देवेन्द्र यादव की रिहाई संभव हुआ।

प्रयागराज : विजय शर्मा ने महाकुंभ पहुँचे, श्रद्धालुओं के साथ मुख्यमंत्री साय का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया

रायपुर (आरएनएस)। आज प्रयागराज महाकुंभ में उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ पवेलियन में महाकुंभ पहुँचे छत्तीसगढ़वासियों के साथ प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी का जन्मदिन केक काटकर हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की राह पर अग्रसर है। उनका जनसेवा के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। आज हम सभी ने उनके जन्मदिवस पर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की है। महाकुंभ में मौजूद श्रद्धालुओं ने इस आयोजन की सराहना की और छत्तीसगढ़ पवेलियन में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जी 20 : चीनी-रूसी विदेश मंत्रियों से मिले विदेश मंत्री एस. जयशंकर, भू-राजनीतिक चुनौतियों पर हुई चर्चा

गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका में चल रहे जी20 सत्र में अपने संबोधन में वैश्विक शांति, सहयोग और कूटनीति पर जोर दिया। उन्होंने रूस, चीन और अन्य साझेदार देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की और वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के समाधान के लिए बहुपक्षीय सहयोग, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित इस जी20 सत्र में डॉ. जयशंकर ने विश्व नेताओं से आग्रह किया कि केवल संकट प्रबंधन तक सीमित न रहें, बल्कि प्रमुख आर्थिक और भू-राजनीतिक मुद्दों का समाधान करने के लिए निर्णायक कदम उठाएं।

व्यापार, वित्त का हथियारीकरण और डेटा प्रवाह में पारदर्शिता की कमी का किया जिक्र उनके संबोधन में कोविड-19 महामारी के बाद के संघर्ष, आर्थिक तनाव, खाद्य सुरक्षा संबंधी समस्याओं और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का जिक्र किया गया। साथ ही उन्होंने नई चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जैसे कि केंद्रित आपूर्ति श्रृंखलाओं में बढ़ती चिंताएं, व्यापार और वित्त का हथियारीकरण और डेटा प्रवाह में पारदर्शिता की कमी। डॉ. जयशंकर ने उल्लेख किया कि उभरती प्रौद्योगिकियां जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रिक वाहन, अंतरिक्ष अन्वेषण, ड्रोन और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में विकास के साथ-साथ इनके भू-राजनीतिक निहितार्थों पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

मध्य पूर्व में चल रहे संघर्षों पर भी उनके विचार स्पष्ट रहे। उन्होंने गाजा में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई का स्वागत किया और आतंकवाद की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में स्थिरता के लिए दो-राज्य समाधान सहित एक समावेशी समाधान अपनाया जाना चाहिए, जिससे क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने लेबनान और सीरिया जैसी समस्याओं पर भी अपने विचार रखे और कहा कि इन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता वैश्विक सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। समुद्री सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को लेकर डॉ. जयशंकर ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना ने अरब सागर और अदन की खाड़ी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सभापति पद के लिए दो वरिष्ठ पार्षदों के नाम सबसे आगे

रायपुर (आरएनएस)। नगर निगम में सभापति के लिए जोड़तोड़ के प्रयासों के आगे अब एक दूसरे को काटने के लिए नई रणनीति के तहत अब जब नेताओं को सबूत के साथ एक दूसरे के अपराधों की सूची भी सौंपी जा रही है,भारतीय जनता पार्टी के सबसे प्रबल दावेदार सूर्यकांत राठौड़ के ख़िलाफ़ जिला न्यायालय रायपुर में जाति का प्रकरण भी चल रहा है, जिसके कारण भाजपा कोई बदनामी मोल नहीं लेना चाहती ग़ौरतलब है कि सूर्यकांत राठौड़ की जाति का प्रमाण पत्र मध्य प्रदेश का बना हुआ है और सन 1994 में मध्य प्रदेश शासन के द्वारा उपरोक्त सर्टिफ़िक्रेट की पुष्टि होना बाक़ी है इसी के आधार पर न्यायालय में जाति के मामले में लेकर उपरोक्त प्रकरण चल रहा भारतीय जनता पार्टी की मुसीबत यह है भारी संख्या में पार्षद जीतकर आये है, उसमें से वरिष्ठ और अनुभव वाले वही वाले पार्षदों को चयन करना है. भारतीय जनता पार्टी को तय करना है जाति के अनुसार संतुलन बनाकर नगर निगम में प्रभावी तरीके से जनता का कार्य हो सके. सूर्यकांत राठौर - सभापति रेस में सूर्यकांत राठौड़ का भी नाम सामने आया है, लेकिन जातिगत राजनीति के चलते सूर्यकांत राठौर का सभापति बनना मुश्किल दिख रहा है, जाति का एक मामला सूर्यकांत राठौर के खिलाफ भी चल रहा है. बीजेपी के मुखर नेता व पार्षद मनोज वर्मा रायपुर निगम के सभापति के लिए प्रबल दावेदार माने जा रहे है।

नन्ही मुस्कानों के संग मुख्यमंत्री साय ने मनाया अपना जन्मदिन

मुख्यमंत्री ने बालिका गृह के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृति की घोषणा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के खम्हारडीह स्थित शासकीय बालिका गृह पहुँचकर अपना जन्मदिन नन्ही मुस्कानों के साथ सादगीपूर्वक मनाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विशेष दिन को इन नन्हीं मुस्कानों के साथ साझा कर यह संदेश दिया कि समाज के हर वर्ग की खुशियों में भागीदार बनना ही सच्चे नेतृत्व की पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बालिका गृह में बच्चियों के संग केक काटा, उनके साथ समय बिताया और उनकी मासूम हँसी और बातों को आत्मीयता से सुना। इस दौरान बच्चियों ने अपनी छोटी-छोटी इच्छाएँ उनके सामने रखीं, जिनमें एक साउंड बॉक्स की माँग भी थी। मुख्यमंत्री ने इसे तत्काल पूरा करते हुए बालिका गृह को यह उपहार भेंट किया। इसके अलावा, उन्होंने बालिका गृह में कंप्यूटर, वॉटर कूलर एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए 10 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की, जिससे यहाँ रह रही बच्चियों की शिक्षा में कोई असुविधा न हो।

उल्लेखनीय है कि बालिका गृह में फिलहाल 57 बच्चियाँ रह रही हैं, जहाँ महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उन्हें निशुल्क आवास, भोजन, शिक्षा और चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने स्कूली जीवन की यादें की साझा

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अपने स्कूली जीवन की यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनके गाँव का प्राथमिक स्कूल खपरेल वाला था, और बारिश के दिनों में पानी टपकता था। उन्होंने बच्चियों को बताया कि वे भाग्यशाली हैं कि उन्हें एक बेहतर छात्रावास और पढ़ाई के लिए अच्छा वातावरण मिला है। उन्होंने बच्चियों को लगन और मेहनत से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी और समझाया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश-दुनिया के महान व्यक्तित्वों के जीवन संघर्षों का उदाहरण देते हुए कहा कि संघर्षों से घबराने के बजाय, उन्हें अपनी ताकत बनाना चाहिए। उन्होंने बच्चियों को विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर संभव सहायता देगी।

पंचायत चुनाव में भी बीजेपी की ऐतिहासिक जीत, 11 जिलों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत : सौरभ सिंह

पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश प्रभारी ने कहा- हार मानकर घर बैठ गए हैं कांग्रेसी नेता

रायपुर (विसं)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत हुई है। भाजपा की त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश प्रभारी सौरभ सिंह ने कहा कि अभी गांवों में लोकतंत्र का उत्सवी वातावरण देखते ही बन रहा है। गांवों में भी भाजपा समर्थित पंच, सरपंच, जनपद व जिला पंचायत सदस्यों के रूप में भाजपा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जीतकर आ रहे हैं। भाजपा के प्रति ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्त अगाध जन-विश्वास की आंधी में कांग्रेस तिनके की तरह उड़ रही है और हताश-निराश कांग्रेस नेता घरों में खामोश बैठ गए हैं। प्रदेश में जो विष्णु का सुशासन है, वह पूरे प्रदेश में दिखाई पड़ रहा है। भाजपा के पक्ष में यह ऐतिहासिक परिणाम जनता ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को उनके जन्मदिन पर समर्पित किया है।

भाजपा त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव समिति के प्रदेश प्रभारी सिंह ने शुक्रवार को एकात्म परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में पंचायत चुनावों के दो चरणों के अब तक घोषित परिणामों में भाजपा को प्रचण्ड जीत का दावा किया। उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव के प्रथम चरण का चुनाव 17 फरवरी को हुआ, दूसरा चरण का चुनाव 20 फरवरी को हुआ और देर रात से उसके परिणाम सुबह तक आ रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य के लिए हुए चुनाव में प्रथम चरण में 160 सीटों में से भाजपा 125 सीटों में चुनाव जीती। दूसरे चरण में 124 सीटों के लिए हुए मतदान में 97 सीटों पर भाजपा या हमारे समर्थित लोग चुनाव जीत गए हैं। चार सीटों के परिणाम अभी आने शेष हैं। इस तरह प्रथम चरण में जिला पंचायत में हमारा स्ट्राइक रेट 75 प्रतिशत था और द्वितीय चरण में हमारा स्ट्राइक रेट 80 प्रतिशत रहा है।

उन्होंने कहा, दूसर चरण के मतदान के बाद ही 11 जिलों में हमें स्पस्ट बहुमत प्राप्त हो गया है। दूसरे चरण के बाद 13-14 जिले ऐसे हैं, जिनमें बहुमत से मामूली अंतर से कुछ दूर है, जबकि कुछ में काउंटिंग बाकी है, उसमें हम आ जाएंगे। इन परिस्थितियों को देखते हुए ऐतिहासिक जीत की ओर भारतीय जनता पार्टी जा रही है। सिंह ने कहा कि प्रथम चरण में प्रदेश की कुल 140 जनपद पंचायतों में से 52 जनपद पंचायत में चुनाव हुए और उसमें 40 जनपद पंचायत में हमारा बहुमत है। बाकी जनपद पंचायत में भी हमारे सदस्य जीतकर आएंगे। दूसरे चरण में 40 जनपद पंचायत क्षेत्र में चुनाव हुआ उसमें भी अभी तक प्राप्त अंकों के अनुसार 26 जनपद पंचायत में हमारा बहुमत है और यह बहुमत का आंकड़ा 32-33 तक जा सकता है। इसी प्रकार प्रदेश में 11,600 ग्राम पंचायतों के दो चरण के मतदान के बाद भी 70 से 80 प्रतिशत सरपंच भाजपा के बने हैं। इन तीनों चरणों में 1.60 लाख पंच निर्वाचित होने हैं और उनमें भी दो तिहाई से भाजपा उम्मीदवार जीत कर आ रहे हैं.

बोर्ड परीक्षाओं के पहले सेमरहा के बच्चों को प्रोत्साहित करने पहुंची विधायक भावना बोहरा, बच्चों के साथ भोजन कर किया उत्साहवर्धन

बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ग्राम सेमरहा के बच्चों से मिलकर विधायक माँ ने कहा आल द बेस्ट

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में 1 मार्च से बोर्ड परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। इसी के तहत आज 19 फ़रवरी को पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम सेमरहा के बच्चों से मुलाकात की और उनसे चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को परीक्षा की तैयारियों को लेकर भी बातचीत की और उनके मन में निहित प्रश्नों और उलझनों का समाधान करते हुए प्रोत्साहित किया एवं परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन के लिए उन्हें आल द बेस्ट कहकर शुभकामनाएं भी दी। विधायक भावना बोहरा ने बच्चों के लिए परीक्षा की तैयारी के मद्देनजर लेखन सामग्री व अन्य जरूरतमंद स्टेशनरी चीजें भेंट किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ भोजन भी किया।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि मैं जब इन सेमरहा के बच्चों के साथ मिलती हूँ मुझमे खुद एक अलग ही आत्मविश्वास आता है। उनसे बातें करके उनकी उलझनों को दूर करके जो मुझे ख़ुशी मिलती हैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकती। ये सभी बच्चे मेरे परिवार का हिस्सा ही हैं और जब भी इनसे मिलती हूँ तब ये सभी बच्चे भी मुझसे जिस उत्साह और बेबाक तरीके से मिलकर अपनी बातों को रखते हैं उसे देखकर मन में संतोष और आत्मविश्वास मिलता है कि मैनें अभिभावक के रूप में उन सभी 24 बच्चों के शिक्षा, रोजगार एवं विवाह तक जो जिम्मेदारी उठाई है उसे पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास कर सकूँ ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल और सुरक्षित हो सके। आज भी जब मैं उनसे बातें कर रही थी तो उनके अन्दर कहीं न कहीं आज भी उस हादसे को लेकर मन में पीड़ा दिख रही थी, मैं उनके परिजनों की कमी को पूरी नहीं कर सकती लेकिन एक अभिभावक के रूप में उनके हर सुख-दुःख, सफलता, उत्सव और विशेष पर्व एवं त्यौहार में उनके साथ रह सकूँ और उनके चेहरों पर ख़ुशी और मुस्कान ला सकूँ।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले तीन कर्मचारी निलंबित

रायपुर (विश्व परिवार)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर जशपुर श्री रोहित व्यास ने त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले तीन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इनमें प्रधान पाठक श्री जुनास खलखो, पटवारी श्री विजय कुमार श्रीवास्तव और व्याख्याता श्री गणेश कुमार मंडल शामिल हैं। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने कहा है कि शासकीय दायित्व के निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्वाचन एवं शासकीय कार्य में स्वेच्छाचारिता के मामलों में कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों के अनुसार, इन अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरती, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया प्रभावित हुई। प्रधान पाठक श्री जुनास खलखो को पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था, लेकिन 19 फरवरी 2025 को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, जशपुर में सामग्री वितरण के दौरान वे नशे की हालत में पाए गए। चिकित्सकीय जांच में इसकी पुष्टि होने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, कांसाबेल कार्यालय में नियत किया गया। इसी तरह निर्वाचन कार्य के तहत फरसाबहार तहसील के पटवारी श्री विजय कुमार श्रीवास्तव को मतदाता सूची की हार्ड कॉपी तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन उन्होंने बिना अनुमति के 70 दिनों तक अपने कर्तव्य से अनुपस्थिति दर्ज कराई।

छत्तीसगढ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर
// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि खरोरा उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले 132/33 के.व्ही. सब स्टेशन एवं फीडर में आवश्यक सुधार कार्य एवं मरम्मत कार्य हेतु लाईन बंद होने निचे तालिका में दर्शित दिनॉक **25.02.2025** को सुबह 12.00 बजे से दोपहर 04.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण फिडर से निकलने वाले समस्त दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	सबस्टेशन का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	कोसरंगी सबस्टेशन	33/11 के.व्ही. कोसरंगी-चकवे फीडर	कोसरंगी, बनरसी, चकवे, फरहदा, भड़हा, बाना, तुलसी, इल्दा, घिवरा, गुमा, परसदा
2		33/11 के.व्ही. कोसरंगी-कोसरंगी फीडर	
3		33/11 के.व्ही. कोसरंगी-बनरसी पंप फीडर	
4		11 के.व्ही. कोसरंगी-फरहदा फीडर	
5	132/33 मॉठ खरोरा	एच.टी. कंज्युमर	एच.टी. फीडर के सभी एच.टी. उपभोक्ता

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़
विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं0 1912 पर दर्ज कराऐं।

असुविधा के लिए खेद है

विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

कार्यपालन यंत्री (संचा. / संधा.) संभाग छ0स्टे0 पॉ0डि0कं0लि0, रायपुर

SAMVAD- 42971/ 2

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18431/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18431
वार्ड का नाम- 61 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 61 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663P00284** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SAURABH GARHWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUBHASH CHANDRA GARHWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRABHAT KUMAR PADHI** पिता/पति श्री/श्रीमती **UMACHARAN PADHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./18310/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 18-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18310
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737F00444** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GURUSARAN PAL GARCHA, NAVPREET SINGH GARCHA, NAVSARAN SINGH GARCHA S/O LATE. PRITAM SINGH GARCHA, NARENDRA PAL SINGH GARCHA S/O JOGENDRA SINGH GARCHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRITAM SINGH GARCHA AND JOGENDRA SINGH GARCHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MURARI GOUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE DK GOUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./18309/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 20-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. . 18309
वार्ड का नाम- 36- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 36 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737F00444** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GURUSARAN PAL GARCHA, NAVPREET SINGH GARCHA NAVSARAN SINGH GARCHA S/O LATE.PRITAM SINGH GARCHA, NARENDRA PAL SINGH GARCHA S/O JOGENDRA SINGH GARCHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRITAM SINGH GARCHA AND JOGENDRA SINGH GARCHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MURARI GOUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE DK GOUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./18307/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 20-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18307
वार्ड का नाम- 26- दानवीर भामाशाह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 26 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR109B00719** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ZAGURU W/O RAM NARAYAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANRAKHAN SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **झगरू सोनकर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मनराखन सोनकर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **बंटवारानामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत बोरियाकला, कॉलोनी, रायपुर में स्थित **भवन क्रमांक PEEPAL -I /16 श्री भृगुनाथ सिंह पिता श्री बिश्वनाथ सिंह,** के नाम से स्वविित्तय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड **दिनांक 10.03.2011** को पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर इस कार्यालय का पत्र **क्रमांक 1373 दिनांक 12.02.2014** के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **श्री भृगुनाथ सिंह पिता श्री बिश्वनाथ सिंह, निवासी क्वाटर नम्बर-1299, स्टील सिटी, बोकारो झारखण्ड,** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्री आशीष शिवहरे पिता श्री गौरीशंकर शिवहरे, निवासी-मकान नम्बर-01, वार्ड नम्बर-04, शास्त्री मार्केट, डौंडी, दल्लीराजहरा, जिला-बालोद (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति अय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./18054/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18054
वार्ड का नाम-48- मदर टेरेसा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443G00175** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BANSH LOCHAN SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. SHRINATH SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मिश्र आलोक सिंह** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता स्व. श्री बंश लोचन सिंह** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /18371/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18371
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K00208** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M. LAZAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **M. SAMMUAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DIPAK KUMAR BAGHELE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MADANLAL BAGHELE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./18316/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18316
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445B00216** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SONIYA KUKREJA, VEENA KUKREJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JIYANDLAL KUKREJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VEENA KUKREJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O LATE JIYEND LAL KUKREJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18438/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18438
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F00907** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BASANT KUMAR SATHWANE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **YOGESH KUMAR SATHWANE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MUNISH SHUKLA** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE KAMLA SHANKAR SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18434/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18434
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G0272A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PARAG JOSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIPIN JOSHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOHAMMAD FIROJ ANSARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **NOOR MOHAMMAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./18433/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18433
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652B00259** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JAIPAL SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHARAN SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHEKH SHOBI JAMIL** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHEKH MAHMUD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /18428/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18428
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802E00625** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MINASHI GOYAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUBHASH CHANDRA GOYAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIDHI SRIVASTAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SALIL KUMAR SRIVASTAVA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /18442/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18442
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870J00172** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **WALLFORT PROPERTIES PVT. LTD.DIRECTOR PANKAJ LAHOTI S/O MULCHAND LAHOTI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAIPUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PUSHPA CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /18440/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 21-02-2025

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 18440
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870J00460** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **WALLFORT PROPERTIES PVT. LTD.DIRECTOR PANKAJ LAHOTI S/O MULCHAND LAHOTI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PUSHPA CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. JAVAHAR LAL CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 22 फरवरी 2025

सिलफिल्ली में ग्यारह जोड़ों का सनातन धर्म संत समाज ने कराया सामूहिक विवाह

आयोजन में पहुंचे पक्ष विपक्ष के लोग नव युगल जोड़ी को दिया आशीर्वाद

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सनातन धर्म में सोलह संस्कार को महत्वपूर्ण माना गया है। इस तरह के कार्यक्रम से जहां एक ओर अपने सनातन धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं दूसरी ओर गरीब परिवार के लोगों का सार्वजनिक कार्यक्रम के माध्यम से कई प्रकार के लाभ मिल जाते हैं। उक्त बातें ग्राम पंचायत सिलफिल्ली गोंडपारा में स्थित गहिरा गुरु आश्रम में श्री विष्णु महायज्ञ एवं सनातन धर्म संत समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े ने मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने नव दंपत्ति के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पति पत्नी दोनों को आपसी तालमेल जीवन में बनाए रखना होगा तभी खुशहाली के साथ जीवन की नैया पार हो सकेगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष व गंगा ग्रामोत्थान सेवा समिति के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष गोयल ने कहा कि सनातन धर्म संत समाज द्वारा प्रति वर्ष इस तरह का आयोजन करके सनातन धर्म को सुरक्षित करने का जो वीणा उठाया है वह काबिले तारीफ है। उन्होंने नव दंपत्ति को उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सुखमय जीवन व्यतीत करने की बात कही। कार्यक्रम में आयोजन समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी यहां पर 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह के अलावा 4 बच्चों के मुंडन संस्कार, 3 लोगों के जनेऊ संस्कार व 2 बच्चों के सामूहिक अन्नप्राशन कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। आयोजन में मुख्य रूप से वेद प्रकाश मिश्र, विनोद शाह उपस्थित थे। आयोजन को सफल बनाने में समिति के रोहन सिंह, समर सिंह, शिवकुमार सिंह, रमेश सिंह, बेचू सिंह, सरदार सिंह, जटा सिंह, राजेश सिंह, रामनारायण, अमर लाल, रामप्रसाद पैकरा के अलावा यज्ञाचार्य राघवेंद्र तिवारी, ओमदत्त तिवारी, विनय तिवारी, अंबिका शर्मा सक्रिय रहे।

संक्षिप्त समाचार

रेणुका सिंह के पुत्री मोनिका के सामने कांग्रेस भाजपा के समर्थित प्रत्याशी हुए ढेर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- कल संपन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव में पूर्व महिला बाल विकास मंत्री एवं सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह की पुत्री मोनिका सिंह चुनावी मैदान में थी मतदान के बाद आए नतीजा में मोनिका सिंह ने 3272 मतों से जबरदस्त राजनीतिक पथ पर अपना स्थिति मजबूत किया। वे निर्दलीय के रूप में चुनावी मैदान में थी उनकी माता श्रीमती रेणुका सिंह अपनी राजनीतिक गुणा गणित से जबरदस्त विजय दिलाई ।मोनिका सिंह के खिलाफ पूर्व राज्य मंत्री एवं कांग्रेस के नेता तुलेश्व सिंह के पुत्र एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महिला सचिव शशि सिंह अपने भाई की जीत सुरक्षित नहीं करा सकी। इसी प्रकार प्रेम नगर विधायक भूलन सिंह मरावी भाजपा समर्थित प्रत्याशी वेद प्रकाश को जीत सुनिश्चित करने में असफल रहे या यूं कहे कि मोनिका सिंह अपनी राजनीतिक पहली पारी में कांग्रेस एवं भाजपा दोनों राष्ट्रीय पार्टी की उम्मीदवारों को पटकनी देकर विजई रही । मोनिका सिंह अपने गृह ग्राम परशुरामपुर की बूथ क्रमांक 198 पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मोनिका सिंह के राजनीति में उज्जवल भविष्य की कामना को देखते हुए हर वर्ग के लोगों ने उनके निवास पर बधाई देने पहुंचे।

विश्रामपुर में समस्त केंद्राध्यक्षों की कार्यशाला हुई संपन्न

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व)-शासकीय कन्या उ.मा.वि. बिश्रामपुर के सभा कक्ष में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड मुख्य परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के संबंध में सूरजपुर जिले के सभी 73 केंद्राध्यक्षों की कार्यशाला जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर श्रीमती भारती वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें समन्वयक केंद्र के प्राचार्य एवं मास्टर ट्रेनर श्री लैफ सिंह पैकरा, श्री पी.सी. सोनी एवं श्री आशीष भट्टाचार्य के द्वारा परीक्षा से संबंधित समस्त आवश्यक जानकारियां दिया गया। इस दौरान शरदेन्दु कुमार शुक्ल समेत समस्त केंद्रों के केंद्राध्यक्ष उपस्थित थे।

23 फरवरी को ओड़गी एवं प्रतापपुर में तृतीय चरण का होगा मतदान

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के अंतर्गत 23 फरवरी को तृतीय चरण का मतदान ओड़गी एवं प्रतापपुर में संपन्न होगा। निर्धारित समय सारणी के अनुसार सुबह 07:00 बजे से दोपहर 03 बजे तक मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकते है। 03 बजे के पश्चात मत का प्रयोग करने के लिए पहले से उपस्थित मतदान केंद्र की परिधि में अंदर कतार में खड़े मतदाताओं को टोकन देकर मताधिकार का प्रयोग कराया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा द्वारा जिले के अंतर्गत स्कूलों/10वीं, 12वीं बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शा.बालक उ.मा.वि. भैयाथान में श्रीमती विद्योत्मा चौबे, व्याख्याता, श्री शिव सिंह, सहायक ग्रेड-03, शा.उ.मा.वि.दर्रीपारा में श्रीमती विमला साहू, शिक्षक शा.उ.मा.वि. बैजनाथपुर में श्री संतोष कुमार यादव, व्याख्याता, प्रेरणा दयाल, सहायक ग्रेड-03, श्री सत्येन्द्र कुमार गुप्ता भृत्य , श्री अमरजीत सिंह, भृत्य तथा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय ओडगी में नेहा जायसवाल, व्याख्याता एवं श्री कुन्दन सिंह, व्याख्याता बगैर किसी सूचना के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये गये। फलस्वरूप अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुये 02 दिवस के अन्दर स्पष्टीकरण का जवाब अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। स्पष्टीकरण का जवाब संतोषप्रद नहीं होने पर उक्त दिवस का अवैतनिक किया जावेगा।

समयबद्ध व गुणवात्तापूर्ण आवास निर्माण सुनिश्चित करें : कलेक्टर दीपक सोनी

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक. सोनी ने गुरुवार को सीईओ जनपद पंचायत एवं आवास मित्रो की ऑनलाइन बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत प्रगतिरत आवासों की समीक्षा। उन्होंने स्वीकृत सभी आवासों का गुणवात्तपूर्ण निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही आवास मित्रों के कार्यो पर कड़ी निगरानी के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि ऐसे हितग्राही जिन्होंने आवास का निर्माण द्वितीय किश्त की राशि जारी होने योग्य पूर्ण कर लिया है उन्हें तत्काल राशि जारी किया जाए। इसीतरह तृतीय किश्त की राशि भी जारी करें। उन्होंने 3055 आवास जिनके छत पूर्ण हो गए हैं उन्हें 10 मार्च तक पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रगतिरत आवासों की जिला स्तर प्रगति सूची तैयार करने तथा बेहतर कार्य करने वाले आवास मित्रों को सम्मानित करने कहा। बताया गया कि जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2024 -25 में कुल 23242 आवास स्वीकृत हैं जिनमे से 5124 आवास पूर्ण हो गए हैं। वहीं 22408 हितग्राहियों को प्रथम किश्त,16366 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त एवं 2861 हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि जारी हुई है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी एनआईसी कक्ष में उपस्थित थे।

शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का किया गया आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार,) शासकीय रेवती रमण मिश्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में पोस्टर कंपटीशन आयोजित किया गया। नेशनल साइंस डे 2025 का आयोजन छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रायपुर और डिपार्मेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे के निर्देशन में आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी रायपुर में पदस्थ डॉ. जे.के. राय, साईंटिस्ट ए मैडम द्वारा संपूर्ण दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। महाविद्यालय में कार्यक्रम के शुभारंभ में डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक, राजनीति शास्त्र द्वारा विद्यार्थियों को प्राचीन विज्ञान एवं आधुनिक विज्ञान से अवगत कराया गया। पाषाण काल के विज्ञान से लेकर वर्तमान आधुनिक आविष्कारों के बारे में विद्यार्थियों को रुचि पूर्ण तरह से समझाया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान के विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करने हेतु पोस्टर बनाया। कुल 56 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा सभी विद्यार्थियों को विज्ञान के विकास, प्रचार एवं प्रसार के लिए तैयार होने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 का आयोजन, विश्व स्तर पर भारत के युवाओं को विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने हेतु प्रेरित करने के लिए किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की रूपरेखा (कोऑर्डिनेटर) श्री टी. आर. राहंगडाले द्वारा तैयार की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुश्री प्रतिभा कश्यप, डॉ. रश्मि पांडेय, श्री सी.बी. मिश्र, डॉ. विकेश कुमार झा, डॉ. चंदन कुमार, श्री अनिल चक्रधारी, श्री दीपचंद इक्का, डॉ. सलीम किस्पोट्टा, श्री बुधलाल साहू, डॉ. सुप्रिया तिवारी, दिव्या आदित्य सिन्हा, साधना भगत, प्रांजना साहू एवं पूर्णिमा राजवाड़े द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

जिला अधिवक्ता संघ कोरबा ने सचिव व नवनिर्वाचित पार्षद नूतन सिंह का किया सम्मान

कोरबा(विश्व परिवार)। जिला अधिवक्ता संघ कोरबा द्वारा जिला न्यायालय परिसर कोरबा में जिला अधिवक्ता संघ कोरबा के सचिव व नवनिर्वाचित पार्षद नूतन सिंह सहित अधिवक्ता संघ से संबद्ध पार्षद व पंचायत पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्येन्द्र कुमार साहू सहित सभी न्यायाधीश अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गणेश कुलदीप सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। नगर पालिका निगम कोरबा चुनाव में कुल 03 अधिवक्ता पार्षद चुनाव जीतने में कामयाब रहे। पुरानी बस्ती कोरबा से भाजपा प्रत्याशी के रूप में नूतन सिंह 743 मतों के भारी अंतर से चुनाव जीता। धनुहारपारा से भाजपा प्रत्याशी धनश्री साहू ने चुनाव जीता, वही रविशंकर शुक्ल नगर से अब्दुल रहमान निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में तीसरे बार चुनाव जीतकर पार्षद बने हैं। तीनों अधिवक्ता पार्षदो के साथ पंचायत चुनाव में निर्वाचित पंच पोहर पांडे व रामकुमार यादव का जिला अधिवक्ता संघ कोरबा द्वारा अधिवक्ता भवन में सम्मान समारोह आयोजित कर स्वागत किया गया। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश श्री सत्येन्द्र कुमार साहू ने निर्वाचित अधिवक्ताओं को अपनी शुभकामनाएं दी तथा आशा जताई कि न्यायालय परिसर में सुविधाओ के विकास में संघ के सचिव नूतन सिंह सहित अन्य पार्षदो का सहयोग मिलेगा। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गणेश कुलदीप ने सचिव नूतन सिंह सहित अब्दुल रहमान, धनश्री साहू के विजय को अधिवक्ता संघ के लिए सम्मान की बात कही। तीन ? अधिवक्ताओं के निगम पहुंचने पर अधिवक्ता भवन में रुके कार्यो को गति मिलेगी।

पार्किंग से ट्रेलर की चोरी-पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा-पश्चिम के कुसमुंडा थाना क्षेत्र में वाहन चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार भुट्टा चैक पार्किंग में खड़ी एक ट्रेलर वाहन को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। वाहन मालिक द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके बाद पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गेवरा बस्ती निवासी सुरेंद्र यादव ने कुसमुंडा थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 15 फरवरी 2025 की शाम करीब 6 बजे उसने अपनी ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 10 आर 0498 को भुट्टा चैक पार्किंग में खड़ा किया था और फिर घर चला गया। अगले दिन 16 फरवरी 2025 की सुबह करीब 9 बजे जब वह पार्किंग स्थल पर पहुंचा, तो ट्रेलर वहां से गायब था। आसपास और जान-पहचान के लोगों से पूछताछ करने पर भी कोई सुराग नहीं मिला, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि वाहन को किसी अज्ञात चोर ने चुरा लिया है। घटना की सूचना मिलते ही कुसमुंडा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरी से जुड़ा कोई सुराग मिल सके।

संपादकीय

भागवत की हिन्दू एकता से ही विश्वगुरु बन सकेंगे

ललित गर्ग

भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी ज़रूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का ''जिम्मेदार'' समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड़यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सर्वेषां अविरोधेन् है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है। भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है। क्योंकि भारत से निकले सभी संप्रदायों का जो सामूहिक मूल्यबोध है, उसका नाम 'हिंदुत्व' है। इसलिए संघ हिंदू समाज को संगठित, अजेय और सामर्थ्य-संपन्न बनाना चाहता है। इस कार्य को संपूर्णता तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है। भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया-यह स्पष्ट रूप से भगवान श्रीराम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया, यह था भरत का समर्पण। हिन्दू धर्म के भगवद गीता, रामायण, महाभारत, और वेद जैसे शास्त्रों एवं ग्रंथों से ऐसे ही नैतिक मूल्यों, मानवता और जीवन के उच्चतम आदर्शों का संदेश मिलता है, इसलिये हिन्दू समाज की एकता जरूरी है। हिन्दू एकता भारत की आत्मा को जाग्रत करेगी। भारत का स्वाभिमान, आध्यात्मिकता और ऋषियों का ज्ञान वापस आयेगा। परिणामस्वरूप देश से भ्रष्टाचार, हिंसा और अनैतिकता दूर होने के रास्ते खुलेंगे। भारत पुन: जगद्गुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शक बनेगा। हमारे शत्रु भी हमसे मित्रता करने के लिए हाथ बढ़ायेंगे। इन सब स्थितियों को देखते हुए हिन्दू एकता एवं उसको संगठित करना जरूरी है, इसके लिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास एक रोशनी है, एक ताकत है। संघ और हिंदुत्व को लेकर अक्सर उद्देश्यहीन, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचनाएं होती रही हैं लेकिन इस तरह की नीति के द्वारा किसी का हित सधता हो, तो ऐसा प्रतीत नहीं होता तथा न ही उससे संघ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। संघ की ऐसी आलोचना करने वाले समय, शक्ति और अर्थ का अपव्यय करते हैं तथा अपनी बुद्धि के दिवालियापन को उजागर करते हैं। संघ न केवल देश बल्कि दुनिया का बहुचर्चित एवं सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। जो बहुचर्चित होता है उसका विरोध भी होता है। निरूद्देश्य एवं स्तरहीन विरोध, विरोधी विचारधाराओं एवं संगठनों की स्वार्थपूर्ण मनोवृत्ति, ईर्ष्या एवं विध्वंस की नीति का स्वयंभू प्रमाण बन जाता है। संघ एवं मोहन भागवत की आलोचना करने वाले तथा उनके व्यक्तित्व पर कीचड़ उछालने वाले लोग एवं संगठन स्वयं को कमजोर अनुभव करते हुए भी समाज एवं राष्ट्र में प्रतिष्ठित होना चाहते हैं, वे ही ऐसी आलोचना करते हैं। उनकी आलोचनाएं एक जीवंत परंपरा को झुठलाने के असफल प्रयास ही रहे हैं। हिन्दू एकता के अभाव में ही देश में जेहादी आतंकवाद, तीन करोड़ विदेशी बांग्लादेशियों की घुसपैठ, हिन्दुओं का धर्मान्तरण, गौहत्या, मठ-मंदिरों की सरकारी अधिग्रहण के माध्यम से लूट, हिन्दू संतों और देवताओं का अपमान, नारियों पर अत्याचार-बलात्कार, हिन्दुओं के साथ अंधाधुंध भेदभाव, अन्याय, अत्यन्त सहनशील हिन्दू समाज और महान् हिन्दू धर्म को नष्ट करने के षडयन्त्र बहुत तेजी से बढ़े। हिन्दू एकता से ये बुराइयां स्वयं नष्ट होने लगेंगी। इससे सबसे अधिक लाभ समाज की दौड़ में पिछड़े रह गए बन्धुओं को, गरीबों को और देश के बेरोजगार नवयुवकों को मिलेगा। हिन्दू विरोधी अपने को धर्मनिरपेक्ष घोषित करने वाले राजनेताओं ने भ्रष्टाचार के माध्यम से गरीब जनता के परिश्रम का लाखों करोड़ रुपया हड़पा है। अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस जैसी ताकते भारत विरोधी विमर्श गढ़ने के लिये अकूत पैसा झोंक रहे हैं, वही हमारे देश के कुछ राजनीतिक दल उसके हाथों खेल रहे हैं। सिकंदर से लेकर सोरोस तक हुए ऐतिहासिक आक्रमणों एवं साजिशों पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर बर्बर लोगों ने, जो गुणों में श्रेष्ठ नहीं थे, भारत पर शासन किया, तथा समाज में विश्वासघात का चक्र जारी रहा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था। तथा भारत के विखंडित होने की धारणा अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी। लेकिन अब न केवल भारत बल्कि भारत का बहुसंख्य हिन्दू समाज इन साजिशों को नाकाम करने में सक्षम है। भारत एक 'हिंदू राष्ट्र' है और हिंदुत्व देश की पहचान का सार है। संघ स्पष्ट रूप से देश की पहचान को हिंदू मानता है क्योंकि राष्ट्र की सभी सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं इसी के सिद्धांतों से चलती हैं।

भगदड़ प्रशासनिक..... व्यवस्थागत असफलता

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में अठारह लोगों की मौत हो गई जबकि अनेक घायल हुए हैं। प्रयागराज और मगध एक्सप्रेस के अतिरिक्त विशेष ट्रेनों से महाकुंभ जाने वालों की भीड़ स्टेशन पर बढ़ती जा रही थी। रेलवे प्रशासन अत्यधिक भीड़ बढने की वजह से यह घटना घटी बता रहा है। चश्मदीदों और यात्रियों का कहना कि पैदल पुल पर बेतहाशा बढ़ती भीड़ के कारण भगदड़ हुई। रेलवे पर कुछ ट्रेनों के अचानक रद्द करने का आरोप है। हैरत की बात है, रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कोई ऐसी व्यवस्था नहीं की गई जिससे भीड़ को बाहर ही रोका जा सके। लोगों ने ज्यादा टिकट बुक कराई तब भी रेल-प्रशासन नहीं चेता। कुचल कर मरने की ऐसी घटनाएं प्रशासनिक/व्यवस्थागत असफलता हैं। इनकी लगातार पुनरावृत्ति बताती है, हम अभी भी उन्नीसवीं सदी में जी रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वालों को इस भीषण भगदड़ में मारे जाने वालों के प्रति तनिक क्षोभ नहीं होता। महाकुंभ में डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा अयोध्या और वाराणसी में भी प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करने के दौरान भी हो रहा है। मगर वहां की अव्यवस्था को लेकर भी खबरें न के बराबर आ रही हैं। नि:संदेह इतनी भारी भीड़ को संभालने में मुट्ठी भर पुलिसकर्मी कभी सफल नहीं हो सकते। कुंभ के दरम्यान मची भगदड़ के बाद की तरह इस बार भी विपक्ष द्वारा सरकार पर मृतकों और घायलों की संख्या छिपाने का आरोप लगाया जा रहा है। अपनी नाकामी छिपाने तथा सच्चाई पर परदा डालने की बजाय सरकार को इन मौतों से सबक लेने के प्रयास करने चाहिए। भीड़ को नियंत्रित करने और सटीक अंदाजा लगाने वालों को प्रथम पंक्ति में लाना होगा। अक्षम अधिकारियों पर सख्ती करनी होगी, उन्हें सिर्फ घुड़की देने की रवायत के बाद हाथ झाड़ कर नहीं बैठना चाहिए। इस तरह के किसी भी बड़े आयोजन के लिए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट दायित्व दिए जाने चाहिए। जनता की जान की कीमत कम कर आंकने की आदत पर सरकार को पश्चाताप करना चाहिए। श्रद्धालुओं को आमंत्रित करने और जबरदस्त प्रचार करने वालों को भारी संख्या में आने वालों को संभालने का तरीका भी खोजना होगा। अपनी पीठ खुद थपथपाने वालों को संवेदनशीलता से विचार करना ही होगा ताकि इस तरह की किसी भी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचा जा सके। खासकर पर्व आयोजन जैसे अवसरों पर पूरी तैयारी जरूरी है।

आलेख

देश में सूचना क्रांति की महत्व बढा.....

विनीत नारायण

एक बार लॉस एंजेलिस में उद्योगपतियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते समय मैंने श्रम आधारित तकनीकी के समर्थन और औद्योगिकरण के विरोध में काफी जोर से भाषण दिया। तब वहां मौजूद एक धनाढय् उद्योगपति गणपत पटेल ने मुझे एक पुस्तक भेंट की जिसमें बताया गया था कि 1920 में अमेरिका में जिन क्षेत्रों में रोजगार काफी मात्रा में उपलब्ध था, वे क्षेत्र 1960 के दशक में गायब हो गए। पर इससे बेरोजगारी नहीं बढ़ी क्योंकि अनेक नये रोजगार क्षेत्र विकसित हो गए। उदाहरण के तौर पर 1920 के दशक में हाथ की मशीन पर टाइप करने वालों की भारी मांग थी पर कंप्यूटर आने के बाद यह मांग समाप्त हो गई। 1920 में हवाई जहाज के पायलटों की कोई मांग नहीं थी। पर बाद में हजारों पायलटों की मांग पैदा हो गई। पटेल ने मुझसे जोर देकर कहा कि तकनीकी आने से बेरोजगारी नहीं बढ़ती। ऐसा ही अनुभव आज देश में सूचना क्रांति को देख कर हो रहा है। सूचना क्रांति ने हर क्षेत्र को बहुत व्यापक रूप में प्रभावित किया है। कुछ वर्ष पहले तक व्यापारी के बही-खातों में आमदनी-खर्च का जो हिसाब रखा जाता था वो इतना माकूल होता था कि उसमें एक पैसे की भी गलती नहीं होती थी। सदियों से भारत में यही प्रथा चल रही थी पर कंप्यूटर क्रांति ने सब बदल कर रख दिया। अब व्यापार के आंकड़े केवल आमदनी खर्च तक सीमित नहीं है। अब तो व्यापारी यह जानना चाहता है कि उसका कौन सा उत्पादन किस इलाके में ज्यादा बिक रहा है। उसके ग्राहक किस वर्ग के हैं। साल के किस महीने में उसकी बिक्री बढ़ जाती है। कौन सी राजनैतिक या सामाजिक घटनाओं के बाद किस वस्तु की मांग अचानक बढ़ जाती है। जैसे-जैसे यह जानकारी उत्पादक या वितरक कंपनी के पास आती-जाती है, वैसे-वैसे उसका नजरिया और नीति बदलने लगती है। जबकि बही-खाते में केवल आमदनी-खर्च या लाभ-घाटे का हिसाब रखा जाता था। सांप्रदायिक दंगों का अंदेशा हो तो अचानक शहर में डबल रोटी, दूध, चाय, कॉफी के पैकेट, दाल-चावल, चीनी, मोमबत्ती, टॉर्च, शस्त्रों की मांग बढ़ जाती है। जाहिर है कि इन वस्तुओं के निर्माताओं को देश की नाड़ी पर इस नजरिए से निगाह रखनी पड़ती है। जिस इलाके में सांप्रदायिक तनाव बढ़े वहां इन वस्तुओं की आपूर्ति तेजी से बढ़ा दी जाए। इसी तरह बरसात से पहले छाते और बरसाती की मांग, गर्मी से पहले कूलर और एसी की मांग, जाड़े से पहले हीटर और गीजर की मांग बढ़ जाना सामान्य सी बात है। पर एसी बीस हजार रु पये वाला बिकेगा या पचास हजार रु पये वाला, यह जानने के लिए उसे ग्राहकों का मनोविज्ञान और उनकी हैसियत जानना जरूरी है। अगर निम्न वर्गीय रिहायशी क्षेत्र में लिप्टन की ग्रीन लेबल चाय के डिब्बे दुकानों पर सजा दिए जाएं तो शायद एक डिब्बा भी न बिके पर रेड लेबल चाय धड़ल्ले से बिकती है। धनी बस्ती में पांच रु पये वाला ग्लूकोज बिस्कुट का पैकेट खरीदने कोई नहीं आएगा पर पांच सौ रु पये किलो की कूकीज के पैकेट धड़ल्ले से बिकते हैं। इसलिए इन कंपनियों को हर पल बाजार और ग्राहक के मूड पर निगाह रखनी होती है। इससे ये कंपनियां कई अहम फैसले ले पाती हैं। मसलन, उत्पादन कब, कैसा और कितना किया जाए। वितरण कहां, कब और कितना किया जाए। विज्ञापन का स्वरूप कैसा हो। उसमें किस वर्ग का प्रतिनिधित्व किया जाए और क्या कहा जाए जो ग्राहक का ध्यान आकर्षित कर सके। इसी सूचना संकलन का असर था कि 10 वर्ष पहले सभी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने विज्ञापन अंग्रेजी की बजाय क्षेत्रीय भाषाओं में देने शुरू कर दिए। वरना हमारे बचपन में तो लक्स साबुन का विज्ञापन हिन्दी के अखबार में भी अंग्रेजी भाषा में आता था। जब सूचना का इतना महत्त्व बढ़ गया है तो जाहिर है कि इस सूचना को एकत्र करने वाले, प्रोसेस करने वाले और उसका विश्लेषण करने वाले सभी की मांग बजार में बेहद बढ़ गई है। यहां तक कि केवल इसी किस्म की सेवाएं देने वाली कंपनियों की बाढ़ आ गई है। जैसे पहले शेयर मार्केट को चलाने वाले बड़े-बड़े दलाल और बड़ी कंपनियां होती थीं पर आज इंटरनेट की मदद से देश के हर कस्बे और शहर में शेयर मार्केट में खेलने वाली हजारों कंपनियां खड़ी हो गई हैं।

मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत के कृषि-निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धिः प्रथम बार हुए कई महत्वपूर्ण निर्यातों ने इतिहास रचा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत के कृषि निर्यात में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है जिसमें कई उत्पादों ने पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बनाई है। यह ऐतिहासिक विस्तार न सिर्फव्यापार के संदर्भ में है अपितु यह किसानों को सशक्त बनाने, ग्रामीण आय को बढ़ावा देने और भारत की समृद्ध कृषि विरासत को वैश्विक पटल पर लाने से भी जुड़ा है। विशिष्ट फलों से लेकर पारंपरिक भोज्य पदार्थों तक, निर्यात की यह पहली खेपें इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि मोदी सरकार का आत्मनिर्भर भारत का विजन भारतीय किसानों के लिए किस तरह से नए अवसरों का सृजन कर रहा है। मोदी सरकार के नेतृत्व में पहली बार किए गए कुछ उल्लेखनीय कृषि निर्यात इस प्रकार हैं:

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारतीय अनार की पहली समुद्री खेप- भारत के कृषि निर्यात में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने समुद्री मार्ग से क्रमश: प्रीमियम सांगोला और भगवा अनार की पहली खेप को सफलतापूर्वक ऑस्ट्रेलिया भेजा। यह सफलता न सिर्फ ऑस्ट्रेलिया में भारत के ताज़े फलों की बाज़ार पहुंच को बढ़ाती है, बल्कि इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक भारतीय उत्पादों के प्रवेश का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

पोलैंड के लिए पहली बार अंजीर के जूस का निर्यात किया गया- भारत के अनोखे जीआई-टैग युक्ता पुरंदर अंजीर अब यूरोप में धूम मचा रहे हैं। वर्ष 2024 में, मोदी सरकार ने पुरंदर अंजीर से बने भारत के पहले रेडी-टू-ड्रिंक अंजीर जूस को पोलैंड को निर्यात करने की सुविधा दी। इससे पहले इसे वर्ष 2022 में जर्मनी को भी निर्यात किया गया था। पुरंदर अंजीर अपने विशिष्ट स्वाद और रंग-रूप के लिए जाने जाते हैं। यह निर्यात वैश्विक मंच पर भारत के अनूठे कृषि-उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

लंदन, बहरीन को पहली बार ड्रैगन फ्रूट का निर्यात किया गया- भारत द्वारा अपने फलों के निर्यात में विविधता लाने के प्रयास के अंतर्गत, स्थानीय रूप से 'कमलम' के नाम से जाने जाने वाले फाइबर और खनिज युक्त ड्रैगन फ्रूट को वर्ष 2021 में लंदन और बहरीन निर्यात किया गया। लंदन को निर्यात की गई खेप गुजरात के कच्छ क्षेत्र के किसानों से प्राप्त की गई थी, जबकि बहरीन को भेजी गई खेप पश्चिमी मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) के किसानों से प्राप्त की गई थी।

अमेरिका के लिए ताजे अनार की पहली ट्रायल खेप- वर्ष 2023 में भारत ने अमेरिका को हवाई मार्ग से ताजे अनार की अपनी पहली ट्रायल शिपमेंट निर्यात करके अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। महाराष्ट्र के भगवा अनार में निर्यात की पर्याप्त संभावनाएं हैं और देश से फलों के निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत राज्य के सोलापुर जिले से होता है।

असम का 'लेटेकु' फल दुबई निर्यात किया गया- पूर्वोत्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में वर्ष 2021 में, असम के 'लेटेकु' के रूप में जाने जाने वाले बर्मी अंगूर की पहली खेप को दिल्ली के माध्यम से गुवाहाटी से दुबई भेजा गया। इस निर्यात ने असम के विदेशी उत्पादों को वैश्विक मानचित्र पर स्थान दिला दिया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की क्षमता भी सिद्ध हुई है।

त्रिपुरा से जर्मनी तक कटहल- वर्ष 2021 में जर्मनी को त्रिपुरा से भारत के ताजे कटहल का स्वाद मिला। पहली बार हवाई मार्ग से त्रिपुरा से जर्मनी तक ताजे कटहल की एक खेप निर्यात की गई। अगरतला से एक मीट्रिक टन ताजे कटहल की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई गई। यह उपलब्धि मोदी सरकार द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों को भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात मानचित्र पर लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है।

किंग चिली 'राजा मिर्च' पहली बार नागालैंड से लंदन भेजी गई- पहली बार वर्ष 2021 में पूर्वोत्तर क्षेत्र से जीआई उत्पादों के निर्यात को एक महत्वरपूर्ण आकार देते हुए, नागालैंड से किंग मिर्च के नाम से विख्याआत 'राजा मिर्च' की एक खेप को पहली बार हवाई मार्ग से गुवाहाटी के रास्ते लंदन निर्यात किया गया। इसकी जल्दी खराब होने वाली प्रकृति को देखते हुए, इस उत्पाद का निर्यात करना एक चुनौती थी लेकिन भारत ने सफलतापूर्वक इसके हवाई शिपमेंट की सुविधा प्रदान की, जिसने विशेष कृषि-निर्यात को संभालने में भारत की क्षमताओं को उजागर किया।

असम से अमरीका को 'लाल चावल' का पहला निर्यात- वर्ष 2021 में, भारत की चावल निर्यात क्षमता को महत्वयपूर्ण प्रोत्सा हन देते हुए, 'लाल चावल' की पहली खेप को अमरीका के लिए निर्यात किया गया। असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में बिना किसी रासायनिक खाद के आयरन से भरपूर 'लाल चावल' उगाया जाता है। चावल की इस किस्म को 'बाओ-धान' कहा जाता है और यह असमिया भोजन का एक अभिन्न अंग है।

केरल से दुबई और शारजाह के लिए वज़ाकुलम अनानास की पहली खेप- वर्ष 2022 में भारत ने केरल के एर्नाकुलम से दुबई और शारजाह, यूएई के लिए जीआई टैग युक्तक वज़ाकुलम अनानास की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई गई। इससे अनानास किसानों को अधिक आय अर्जित होगी और वैश्विक बाजार में उनके उत्पाद का अधिक प्रचार होगा।

जीवन को सफल करने के लिए मृत्यु दर्शन जरूरी है

-डॉ. सुनील जैन

मृत्यु एक अनिवार्य घटना है जिससे कोई बच नहीं सकता। इस संसार रूपी रंगमंच पर दो ऐसे पात्र हैं, जिनको समझना बहुत जरूरी है , वह हैं जीव और अजीव। जिसमें जानने-देखने की शक्ति होती है वह जीव कहलाता है और जिसमें जानने-देखने की शक्ति नहीं होती है वह अजीव है। संसार में सारा का सारा खेल जीव-अजीव का है। जीव-अजीव आदि तत्वों को जानकर जो आत्मतत्त्व का चिंतन मनन करते हैं वही एक दिन परमात्म अवस्था को प्राप्त करते हैं। मृत्यु दर्शन करने वाला व्यक्ति अहंकार नहीं करता, बैर-भाव की ग्रंथि नहीं बांधता। वह सोचता है कि सब कुछ छोड़कर जब इस दुनिया से जाना है तो फिर किस पर अहंकार करें। हम इतने अरमान संजोते हैं, ऐसा करूँगा, वैसा करूँगा , पर कभी भी यह नहीं सोचते कि मौत कभी भी आ सकती है। जिंदगी की शाम हो इसके पहले ही व्यक्ति को अपने जीवन रूपी आँगन में प्रभु भक्ति का दीप जला लेना चाहिए। स्वयं की आलोचना कर जीवन रूपी मैली चादर को साफ-सुथरा करना चाहिए तभी जीवन सफल हो सकता है। यह जीवन क्षण भंगुर है, पानी के बुलबुले की तरह यह कभी भी मिट सकता है। इसलिए मानव की यह अनमोल पर्याय पाकर अपने जीवन को अच्छे कार्यों में लगाएं। यदि हमें मृत्यु बोध रहे तो संसारी जीव कभी भी जीवन में पाप कार्य नहीं कर सकते। जीवन के विकास के लिए मृत्यु बोध होना भी जरूरी है।

पता नहीं कब किसका क्या हो जाए,
पता नहीं कब कौन विदा हो जाय ।
कल की आशा में जीने वालो,
पता नहीं कब जिंदगी की शाम हो जाय।।

जगत में जो कुछ भी दृष्टिगोचर होता है वह सब परिवर्तनशील है। दूसरे शब्दों में, वह सब काल के गाल में समाता जा रहा है। चहचहाट करते हुए पक्षी, भागदौड़ करते हुए पशु, लहलहाते हुए पेड़-पौधे, वनस्पति, प्रकृति में हलचल मचाकर मस्तिष्क को चकरा देने वाले आविष्कार करते हुए मनुष्य सभी एक दिन मर जायेंगे। कई मर गये, कइयों को रोज मरते हुए हम अपने चारों ओर देख ही रहे हैं और भविष्य में कई पैदा हो-होकर मर जायेंगे।

कोई आज गया कोई कल गया कोई जावनहार तैयार खड़ा ।

नहीं कायम कोई मुकाम यहाँ चिरकाल से ये ही रिवाज रहा ।।

पिछले दिनों एक समाचार पत्र में एक न्यूज प्रकाशित हुई थी कि अमेरिका में लगभग एक हजार ऐसी लाशें सुरक्षित पड़ी हैं, इस आशा में कि आगे आने वाले 20 वर्षों में विज्ञान इतनी प्रगति कर लेगा कि इन लाशों को जीवनदान दे सके। हर लाश पर 10000 रुपये दैनिक खर्च हो रहा है। बीस साल तक चले उतना धन ये मरने वाले लोग जमा कराके गये हैं। कोई मरना नहीं चाहता। कब्र में जिसके पैर लटक रहे हैं वह बूढ़ा भी मरना नहीं चाहता। औषधियाँ खा-खाकर जीर्ण-शीर्ण हुआ रोगी मरणशय्या पर पड़ा अंतिम श्वासें ले रहा है, डॉक्टरों ने जवाब दे दिया है, वह भी मरना नहीं चाहता। लाशें भी जिन्दा होना चाहती हैं। प्रकृति का यह मृत्यु रूपी परिवर्तन किसी को पसन्द

नहीं। यद्यपि यह सब जानते हैं,जो आया है सो जाएगा राजा, रंक, फकीर। आज यदि व्यक्ति को मृत्यु का बोध हो जाय तो बहुत सी समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाएगा, व्यक्ति को यह पता है कि इस परिवर्तन शील संसार में कोई अमर नहीं है पर इसका उसे बोध नहीं है, मृत्यु पल-पल निकट आ रही है परन्तु उसके बोध के अभाव में उसे एक दिन मरना है यह आज का मानव भूलता जा रहा है तभी तो वह न जाने कितने पाप करने के लिए आतुर रहता है। जलन, द्वेष, मायाचारी, छल, अहंकार, व्यसन, पाखंड, ठगी आदि विकृतियां इसलिए पनप रही हैं क्योंकि मानव को मृत्यु का भान नहीं है। यह भी देखा जाता है कि अच्छे-अच्छे विद्वान जो कर्म सिद्धांत और मृत्यु की क्षणभंगुरता को जानते हैं फिर भी वह अपने व्यवहार और चरित्र में धवलता नहीं ला पाते क्योंकि शायद उन्हें भी मृत्युबोध नहीं होता है। जिस व्यक्ति को मृत्यु बोध हो जाता है उसका जीवन अपने आप ही अच्छा और सुंदर हो जाता है। आज तो विडम्बना देखिए लोग शव यात्रा में भी हँसी ठिठोली करते नजर आते हैं, मुक्तिधाम में उधर शव की अंतिम क्रियाएं चल रहीं होती हैं और इधर लोग हंसी मज़ाक करते देखे जाते हैं। यदि संसार की सच्चाई को मन मस्तिष्क में अंदर तक पहुँचाना है तो कभी किसी शवयात्रा में सच्चाई से शामिल होकर देखिए, जीवन में आमूल- चूल परिवर्तन हो जाएगा। अपना ही पता न चले, यह भी कोई जिंदगी हुई? चले, उठे, बैठे, उसका पता ही न चला जो भीतर छिपा था। अपने से ही पहचान न हुई, यह भी कोई जिंदगी है? अपने से ही मिलना न हुआ, यह भी कोई जिंदगी है? और जो अपने को ही न पहचान पाया, और क्या पहचान पाएगा? निकटतम थे तुम अपने, उसको भी न छू पाए, और परमात्मा को छूने की आकांक्षा बनाते हो? चांद-तारों पर पहुंचना चाहते हो, अपने भीतर पहुंचना नहीं हो पाता। स्मरण रखो, निकटतम को पहले पहुंच जाओ, तभी दूरतम की यात्रा हो सकती है और मजा यह है कि जिसने निकट को जाना, उसने दूर को भी जान लिया, क्योंकि दूर निकट का ही फैलाव है। आज जरूरत है मृत्यु दर्शन पर ईमानदारी से चिंतन की जिस दिन जिसने भी यह कर लिया उस दिन इस मानव पर्याय की सार्थकता को समझने में देर नहीं लगेगी। विनम्र बनो, निरहंकारी बनो। अपने आपको बड़ा बताने की चेष्टा न करो। विनम्रता एवं निराभिमानता ही तुम्हें बड़ा बनायगी। विनम्रता मनुष्य का बहुत बड़ा भूषण है।निर्मल दृष्टि रखो। किसी के दोष देखना यह बहुत बड़ा दुर्गुण है। छिद्रान्वेषी न बनो। दूसरों के दोष देखना पाप अर्जन करना है। गुणग्राही बनो। जीवन में जो भी हो बोधपूर्वक हो। जीवन में कुछ भी अबोधपूर्वक और अज्ञानपूर्वक न हो तो क्या होगा? तो यह होगा कि आपको चौबीस घंटे अपने शरीर के भीतर एक ज्योतिशिखा, एक विवेक की ज्योति अलग अनुभव होने लगेगी।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, शनिवार 22 फरवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

गुरुदेव के प्रकल्पों को पूर्ण करना समाज की जवाबदारी : मुनिश्री निरोग सागर जी

सागर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज हर पल याद करने के लिए थे है और रहेंगे गुरु को दिल में रखें और याद करते रहे। गुरुदेव के प्रकल्पों को जल्दी पूर्ण करना समाज की जवाबदारी है। इसके लिये दान देने की शुरूआत खुद से करें यह बात मुनिश्री निरोग सागर महाराज ने भाग्योदय तीर्थ में धर्म सभा में कहीं। मुनिश्री ने कहा तिथियां आती हैं चली जाती हैं संत आते हैं और चले जाती हैं लेकिन वे मन में बस जाते हैं यही हाल आचार्य भगवन श्री विद्यासागर महाराज का था उनके आने के बाद करोड़ों लोगों के वे गुरु बन गए थे। उन्होंने शुरू के 20-25 वर्ष अपनी आत्म साधना में लगायें और उसके बाद समय को देखते हुए उन्होंने जन कल्याण के कई प्रकल्प और मुनि और आर्यिकाओं को दीक्षाए दी। मुनिश्री ने कहा ग्रंथों में लिखा है लोभ पाप का बाप बखाना कुछ कंजूस होते हैं तो वे धन कमाते रहते हैं। कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपना धन सदकर्मों में लगा देते हैं नरक आयु का कारण परिग्रह होता है. पापों को तोड़कर पुण्य को जोड़ते रहें। धन नंबर 2 में कमा रहे हैं। और मंदिर में लगाकर उसे नंबर 1 में बदल रहे हैं। गृहस्थों के लिए सबसे उत्तम कमाई का 25त्न दान होता है। 16.50 त्न दान छठवाँ हिस्सा माना जाता है और यह मध्यम होता है कम से कम 10त्न दान। होना चाहिए। जो जघन्य में आता है। आपका धन यहीं रह जाएगा। कमाई का 10त्न दान हमेशा आप को करना चाहिए इस दुनिया में कोई किसी का साथी नहीं है। अपने जीवन को धर्ममय बनाओ। जिन बनना है तो जिन के बताए रास्ते पर चलो तो जिन बन जाओगे। जिनसे हमारी दोष घटे वे हमारे हितैषी हैं और जिनसे हमारे दोष बडे वे हमारे कभी हितैषी नहीं हो सकते हैं। भाग्योदय तीर्थ में प्रतिदिन सुबह 8:30 बजे से आचार्य श्री की पूजन और उसके पश्चात् मुनि और आर्यिका संघ के प्रवचन हो रहे हैं।

विदाई समारोह में अनुचित व्यवहार करने वाला प्रभारी प्राचार्य निलंबित

रायपुर (विश्व परिवार)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वाड्रफनगर में आयोजित विदाई समारोह के दौरान प्रभारी प्राचार्य श्री रामनाथ नायक द्वारा छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार करने के मामले में निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की यह कार्रवाई लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा की गई है। गौरतलब है कि प्रभारी प्राचार्य के अनुचित व्यवहार की इस घटना से जुड़ी खबरें सोशल मीडिया और मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल होने के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्वयं विद्यालय पहुंचकर पूरे प्रकरण की जांच की। विद्यालय स्टाफ और छात्राओं की उपस्थिति में हुई जांच में पुष्टि हुई कि प्रभारी प्राचार्य श्री रामनाथ नायक ने विदाई समारोह के दौरान छात्राओं के साथ अश्लील गानों पर नृत्य किया था। यह कृत्य उनकी पदस्थ गरिमा और अनुशासन के प्रतिकूल होने के साथ-साथ विभागीय छवि को धूमिल करने वाला पाया गया। परिणाम स्वरूप श्री नायक को लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

तमता पंचायत सचिव दिनेश कलिहारी निलंबित, निर्वाचन कार्य में लापरवाही का मामला

रायपुर (विश्व परिवार)। जशपुर जिले के पत्थलगांव इलाके की ग्राम पंचायत तमता के पंचायत सचिव दिनेश कलिहारी को निलंबित कर दिया गया है। जिला पंचायत जशपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक कुमार ने निलंबन की यह कार्यवाही ग्राम पंचायत सचिव तमता द्वारा निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने तथा उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना के मामले में की है। रिटर्निंग ऑफिसर (पंचा. निर्वा.) पत्थलगांव से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सचिव तमता दिनेश कलिहारी द्वारा बगैर किसी पूर्व सूचना के निर्वाचन कार्य के दौरान लगातार अनुपस्थित रहना तथा उच्चाधिकारियों के दिये गये आदेशों-निर्देशों की अवहेलना की गई। जिसके चलते जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत तमता के सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय जनपद पंचायत कार्यालय पत्थलगांव निर्धारित किया है।

'चरण' आचरण के कारण पूज्य बन जाते हैं : निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। माथे की धूल ही माथे पर नहीं लगाई जाती हमेशा उन चरणों की धूल ही माथे पर लगाया करते है जो चारित्र के साथ ज्ञान, ध्यान और तपस्या से पूरित होते है। इसीलिये जैन परंपरा में अकेले ज्ञान की ही पूजा नहीं की जाती साथ में चारित्र की भी पूजा होती है लेकिन वह चारित्र ज्ञान और श्रद्धान से जुड़ा हुआ होना चाहिये। उपरोक्त उदगार निर्यापकश्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने चंद्रगिरी तीर्थ डोंगरगढ़ में आचार्य गुरूदेव विद्यासागरजी महामुनिराज की समाधि स्थल से प्रात:कालीन धर्म सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि प्रतिदिन संपूर्ण भारत के श्रद्धालु यहाँ चंद्रगिरी डोंगरगढ़ पर आ रहे है और समाधि स्थल एवं यहाँ पर विराजमान साधु संतों के दर्शन कर अपने आपको धन्य - धन्य मान रहे है। मुनि श्री ने आचार्य गुरूदेव के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुये कहा कि जगत पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के चरण इसीलिये पूज्य है कि उनका आचरण श्रेष्ठतम रहा तथा दुनिया के लिये एक आदर्श सिद्ध हुआ है। जब हम उनका संपूर्ण जीवन देखते है तो उसमें उनकी मूरत ज्ञान, ध्यान, त्याग और तपस्या के साथ नजर आती है। उनके इसी आचरण से उनके चरण वन्दनीय तथा पूज्यनीय है तथा उनके चरणों की प्रतिष्ठा करके संपूर्ण देश के श्रद्धालु यहाँ चंद्रगिरी के भगवान चंद्रप्रभु तथा यहाँ विराजमान मुनि श्री पवित्रसागर जी, निर्यापक मुनि श्री वीरसागर जी, मुनि श्री आगमसागर जी, मुनि श्री पुनीतसागर जी तथा वरिष्ठ आर्यिका गुरुमति माताजी, आर्यिकारत्न दृणमति माताजी, आर्यिकारत्न आदर्शमति माताजी तथा संघस्थ माताजी एवं सभी ऐलक एवं क्षुल्लकों के साथ संत समागम कर उनके मंगल आशीष से अपने - अपने नगरों में आचार्य श्री के उन चरणों को पूरी श्रद्धा एवं भक्ती के साथ ले जा रहे है।

मुनि श्री ने कहा कि यह आचार्य श्री के चमत्कारी व्यक्तित्व का प्रभाव है लोगों में बड़ी श्रद्धा है और उसी श्रद्धा के कारण विभिन्न नगरों में चरणों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि चरण आचरण के कारण पूज्य बन जाते है और वही पूज्यता का भाव गुरवर के परोक्ष में भी जैन एवं जैनेतर समाज में देखा जा रहा है। मुनि श्री ने कहा कि चंद्रगिरी डोंगरगढ़ तीर्थ क्षेत्र पर संयमी तथा त्यागी तपस्वियों का जो संघ रुका हुआ है उस संघ के माध्यम से इस छत्तीसगढ़ के चंद्रगिरी पर्वत से संपूर्ण देश में अहिंसा का संदेश पहुंच रहा है। धर्म की प्रभावना हो रही है और चंद्रगिरी तीर्थ ने संपूर्ण भारत ही नहीं बल्कि विश्व में अपनी विशेष पहचान बना चुका है। मुनि श्री ने गुरुदेव के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करते हुये कहा कि जैसा उनके सदभाव में हम लोग पूजा अर्चना किया करते थे उनके परोक्ष में भी उनके आदर्श और व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुये हम उसी प्रकार उनकी पूजा अर्चना करते रहें।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख निशांत जैन ने बताया जिन नगरों तथा तीर्थ क्षेत्रों में चरणों का मंगल प्रवेश हो रहा है वहां से प्राप्त जानकारी अनुसार उन चरणों का गाजे - बाजे के साथ ऐसा भव्य मंगल प्रवेश हो रहा है कि जैसे लगता है कि साक्षात गुरुवर आचार्य श्री का भव्य मंगल प्रवेश कर रहे है। स्थान - स्थान पर तथा विभिन्न जिनालयों के श्रद्धालुओं द्वारा उन चरणों का प्रछालन कर उस पवित्र जल को अपने माथे से लगाकर अपने आपको धन्य - धन्य मान रहे है। उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया अभी सभी संघ चंद्रगिरी तीर्थ पर ही विराजमान है। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज स संघ के 22 फरवरी को मंगल विहार की संभावना राजनांदगांव, दुर्ग भिलाई होते हुये रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर संभावना व्यक्त की जा रही है। इस अवसर पर चंद्रगिरी तीर्थक्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष किशोर जैन, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद जैन, महामंत्री निर्मल जैन, मंत्री चंद्रकांत जैन, रीतेश जैन डब्बू, अनिल जैन, जय कुमार जैन, यतिष जैन, राजकुमार मोदी चंद्रगिरी समाधि स्थल विद्यायतन के अध्यक्ष विनोद बड़जात्या रायपुर, महामंत्री मनीष जैन, निखिल जैन, सोपान जैन, अमित जैन, नरेश जैन जुग्गु भैया, सप्रेम जैन, सहित समस्त पदाधिकारियों ने किया। उक्त जानकारी निशांत जैन (निशु) द्वारा दी गयी है। -**अविनाश जैन**

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जगतपुरा का दो दिवसीय षष्टम वार्षिकोत्सव एवं श्री जी प्रतिमा स्थापन समारोह आज से

भक्तामर महाअर्चना एवं महाआरती से होगा शुभारंभ

जयपुर (विश्व परिवार)। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के तत्वावधान में जगतपुरा के तारानगर विस्तार स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का 2 दिवसीय षष्टम वार्षिकोत्सव एवं श्री जी प्रतिमा स्थापन समारोह 22 एवं 23 फरवरी को आयोजित होगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

शिरोमणि संरक्षक सुरेश सोनी एवं मंदिर अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि इस मौके पर संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महा मुनिराज के शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज द्वारा प्रतिष्ठित 1008 श्री आदिनाथ भगवान एवं 1008 श्री वासूपूज्य भगवान की प्रतिमा मूल वेदी में विराजमान की जाएगी। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश कुमार सोनी के मुताबिक 2 दिवसीय समारोह के दौरान शनिवार 22 फरवरी को सायंकाल 7.00 बजे मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की 23 दीपों से महाआरती की जाएगी। तत्पश्चात 48 दीपों से भक्तामर स्तोत्र महाअर्चना का आयोजन किया जाएगा।

मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष विकास जैन एवं मंत्री राज कुमार सेठी के मुताबिक रविवार, 23 फरवरी को प्रात: 7:00 बजे पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की जाएगी। तत्पश्चात श्रीजी को कलश यात्रा जुलूस के द्वारा मंदिरजी में विराजमान किया जाएगा।

कलश यात्रा में महिलाएं केसरिया साड़ी में सिर पर मंगल कलश लेकर चलेगी। प्रात: 9.00 बजे झंडा रोहण होगा। तत्पश्चात विधानाचार्य पं. प्रकाश चन्द जैन के निर्देशन में पार्श्वनाथ मंडल विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महामंत्री मनीष बैद, समाजसेवी मनोज सोगानी पहाडी वाले, चेतन जैन निमोडिया, कमल वैद सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग शामिल होंगे।

आयोजन में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल की अध्यक्ष तिलका जैन एवं मंत्री डॉ खुशबू जैन के नेतृत्व में शहर के कई महिला मण्डलों की सदस्याऐ शामिल होगी।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने ग्राम पंचायत केडार में कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित

छत्तीसगढ़ के गावों में लोकतंत्र का उत्सव, विकास और तरक्की के लिए चुनेंगे ट्रिपल इंजन की सरकार

सारंगढ़ (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम पंचायत केडार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में सम्मिलित होकर भाजपा समर्थित जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों को विजय श्री दिलाने संकल्पित किया। श्री साव ने कहा कि, गांव गांव में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का उत्सव और त्योहार चल रहा है। आज गांव के लोग जागरूक हो गए हैं। जिसे वो वोट देना चाहते हैं, उसे देकर आएंगे। उन्होंने कहा कि, ये किसी को सिंहासन में बैठाने का चुनाव नहीं है। ये क्षेत्र और गांव के विकास के लिए है। सोच समझकर मतदान करना है।

श्री साव ने कहा कि, इस चुनाव में धोखा नहीं खाना है। आपको अपना ध्यान सिर्फ विकास पर रखना है, जो विकास कर सकता है, उसे मौका दीजिए। कहीं और ध्यान नहीं देना है। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ की जनता ने विष्णु देव साय जी की सरकार बनाई है। सरकार ने मोदी जी की एक एक गारंटी को पूरा करने का काम किया है। पिछली सरकार ने गरीबों को पीएम आवास के लिए तरसाया। हमने आवास, महतारी वंदन, धान का बोनस देने का वादा निभाया है। मोदी की गारंटी यानी काम पूरा होने की गारंटी है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया भाजपा प्रवेश : सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली, विकास कार्य, सोच, रीति नीति से प्रभावित होकर 50 से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रवेश किया। सभी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पार्टी के समर्थित प्रत्याशियों के समर्थन में काम करने और प्रचंड मतों से जिताने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर श्रीमती केरा बाई मनहर जी, श्री ज्योति पटेल जी, शिवकुमारी चौहान जी, भाजपा समर्थित प्रत्याशी श्री संजय भूषण पाण्डेय जी, पूर्णिमा मनहर जी, श्री सुभाष जालान जी, श्री दीपक साहू जी, श्री आत्मा साहू जी, श्री भुवन मिश्रा जी, श्री अमित अग्रवाल जी आदि उपस्थित रहे।

राजिम कुंभ मेला में कोसा की प्रदर्शनी आकर्षण का केन्द्र, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा लोगों को दी जा रही जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। राजिम कुंभ कल्प मेला में गरियाबंद जिले के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में ग्रामोद्योग विभाग के रेशम प्रभाग का स्टाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस स्टाल में किसानों, महिलाओं और आम नागरिकों को कोसा उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। अब तक हजारों लोग इस स्टाल पर पहुंचकर कोसा उत्पादन की जानकारी प्राप्त कर चुके हैं। कोसा उत्पादन किसानों के लिए न केवल आय का एक अतिरिक्त जरिया बन सकता है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने में मददगार होगा।

स्टाल प्रभारी राम गोपाल चौहान ने बताया कि कोसा उत्पादन वन एवं कृषि आधारित रोजगार का एक बेहतरीन जरिया है, जिससे गांवों में ही आजीविका प्राप्त की जा सकती है। छत्तीसगढ़, जो हरितिमा से आच्छादित राज्य है, में खेतों के किनारे अर्जुन के पेड़ लगाकर कोसा उत्पादन किया जा सकता है। अर्जुन पेड़ों की पत्तियों पर कोसा कीड़े तीस दिन में कोसा फल तैयार कर देते हैं, जिसे किसान आसानी से बाजार में बेच सकते हैं।

कोसा उत्पादन कृषि के लिए भी लाभदायक है, क्योंकि इसका पालन खेतों में बायो-फर्टिलाइजर के रूप में भी उपयोगी होता है। प्रति अर्जुन वृक्ष 50 से 60 कोसा फल उत्पन्न होते हैं, जो बाजार में एक से दो रुपये प्रति फल की दर से बिकते हैं।

इस प्रक्रिया में 70 प्रतिशत कोसा फल तोड़कर बेचा जाता है, जबकि 30 प्रतिशत को प्राकृतिक वंश वृद्धि के लिए पेड़ों पर ही छोड़ना आवश्यक होता है, जिससे आगे कोसा तितलियां विकसित होकर उत्पादन की श्रृंखला को बनाए रखें।

निर्ग्रन्थ मुनि श्री सुवन्द्यसागर जी महाराज का यह लेख पढ़िए- पंचम काल के मुनि

लेखक - निर्ग्रंथ मुनि सुवन्द्यसागर

तीर्थंकरों ने प्रकाशित किये हुए और शास्त्रों में कहे हुए अट्ठाईस मूलगुणों का बुध्दिपूर्वक अंगीकार करके पालन करना ही मुनियों के भावलिंग को प्राप्त करने का उपाय है। उसमें कहीं भी पंचम काल बाधक नहीं है। जो जन पंचम काल में भावलिंग का अभाव मानते हैं वे अज्ञानी और मिथ्यादृष्टि ही होते हैं। उनकी भ्रान्तिपूर्ण बातें सुनकर किसी भी मुनि को इस समय अपने अट्ठाईस मूलगुणों का पालन करना असार मानकर उनके पालन में प्रमाद नहीं करना चाहिए और गृहस्थों को भी शास्त्रों के अनुसार अट्ठाईस मूलगुणों का पालन करने वाले मुनियों के प्रति शंका करके उनकी भक्ति, यथायोग्य सेवा और आहारदान नहीं छोड़ना चाहिए।

भरतक्षेत्र में पंचम काल में भावलिंगी मुनि नहीं होते तो यह बात सर्वज्ञ तीर्थंकरों की वाणी में प्रकट होती और प्रत्यक्ष में भी वैसा ही होता। परन्तु तीर्थंकरों ने भरतक्षेत्र में पंचम काल के अन्त तक भावलिंगी मुनियों का सद्भाव रहेगा ऐसा कहा है। पंचम काल में हुए आचार्य भद्रबाहु तक के श्रुतकेवली और उनके सैंकड़ों वर्षों बाद हुए श्री कुन्दकुन्द आदि आचार्यों के रूप में वह प्रत्यक्ष भी हुआ है। आचार्य कुन्दकुन्ददेव तो विदेहक्षेत्र के पुष्कलावती देश में विद्यमान तीर्थंकर श्री सीमन्धर स्वामी के समवसरण में भी गये थे। उसके विषय में जातिस्मरण के बल पर यह भी कहा जाता है कि वहाँ के चक्रवर्ती ने एक बड़ी थाल भरकर नाना वनस्पतियों के फलों के साथ सुगन्धित जल, फूल आदि द्रव्यों से कुन्दकुन्दाचार्य की पूजा की थी। इससे कुन्दकुन्दाचार्य भावलिंगी मुनि थे यह स्पष्ट प्रमाणित होता है। उससे इस भरतक्षेत्र में पंचम काल में भी भावलिंगी मुनि होते हैं यह तथ्य भी पुन: प्रमाणित होता है।

इस समय भी कई मुनि कुन्दकुन्दादि मुनीन्द्रों के पदचिह्नों का अनुसरण करके शास्त्रों के अनुसार अट्ठाईस मूलगुणों का आचरण करते हुए दृष्टिगोचर होते हैं। उनके श्रेष्ठ गुणों को नकारना आकाश में स्पष्ट दिख रहे सूर्य को नकारने के समान मूर्खता और ढीठता है। फिर भी यदि कोई ऐसे उत्तम चारित्रवान् मुनियों को भी मुनि मानने से इनकार करता है, उनकी निन्दा करता है और अव्रती जनों की प्रशंसा करता है तो कहना चाहिए-

नो वेत्ति यो यस्य गुणप्रकर्षं,
स तं सदा निन्दति नात्र चित्रम्।
यथा किराती करिकुम्भलब्धां,
मुक्तां परित्यज्य बिभर्ति गुञ्जाम्।।

अर्थ :- जो जिसके उत्कृष्ट गुणों को नहीं जानता है वह उसकी सदा निन्दा करता है इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, जैसे कि भीलनी हाथी के गण्डस्थल से प्राप्त हुई गजमुक्ता को छोड़ देती है और गुंजाओं को बड़े आदर से ग्रहण करती है तो उसमें कोई आश्चर्य नहीं है। वह जिसकी-उसकी बुद्धि की बात है।

तीर्थंकरोपदिष्ट श्रुतज्ञान के एक अंग चरणानुयोग के अनुसार तो गृहस्थों के लिए भावलिंग से रहित द्रव्यलिंगी मुनि भी वन्दनीय एवं पूजनीय होते हैं। अर्वाचीन काल में हुए प्रसिद्ध पण्डितों ने भी यह बात स्वीकार की है। उनका कथन है- जैसे कोई धनवान हो परन्तु जो कुल में बड़ा हो उसे कुल की अपेक्षा से बड़ा जानकर उसका सत्कार करता है उसी प्रकार आप सम्यक्त्व गुण सहित है परन्तु जो व्यवहारधर्म में प्रधान हो उसे व्यवहारधर्म की अपेक्षा गुणाधिक मानकर उसकी भक्ति करता है।

इससे स्पष्ट होता है कि यदि कोई मुनि भावलिंगी नहीं भी हो, मात्र द्रव्यलिंगी हो तब भी उनके अट्ठाईस मूलगुणों का आचरण आगमानुकूल हो तो भी सम्यग्दृष्टि श्रावकों को हार्दिक परिणामों से उन मुनिराज को नमस्कार करना आदि विनय व्यवहार और आहारदान आदि क्रियाएँ करनी चाहिए।

वैसे भी जिन प्रत्याख्यानावरणान्त बारह कषायों के अनुदय से भावलिंग होता है उनका उदय हो रहा है या अनुदय यह बात सामान्य मनुष्य नहीं जान सकते वह केवलीगम्य विषय है। वज्रजंघ-श्रीमती, राम-सीता, रुक्मिनी आदि ने जिन मुनियों को आहारदान दिया वे मुनि भावलिंगी हैं या द्रव्यलिंगी हैं इसका विचार, खोज-बीन और निश्चय करके नहीं दिया। उन सबने अपने द्वार पर जो मुनि आये उनका पड़गाहन किया और आहारदान किया। इस प्रकार भावलिंग-द्रव्यलिंग, संघ, गुरु, परम्परा, पन्थ, कुल, जाति आदि का विचार किये बिना निर्ग्रंथ मुद्रा मात्र देखकर सभी मुनियों के लिए सदा आहारदान करना यही 'गृहस्थों का परम धर्म' है। यदि कोई मुनि अशुभ कर्मोदय के अधीन होकर परिग्रह रखते हो, आरम्भ करते हो, अट्ठाईस मूलगुणों का पालन नहीं करते हो तो सम्यग्दृष्टि जनों को यथासम्भव उनका स्थितिकरण करने का भी प्रयत्न करना चाहिए। समझाने पर भी कोई मुनि न समझें तो भी शुभ भाव से उनका स्थितिकरण करने के प्रयास से वह करने वाले मुनि और गृहस्थों को पुण्य प्राप्त होकर उनका तो शुभ ही होता है। इसका विचार करके श्रद्धावान् जनों को, उनमें भी जो ज्ञानी हैं उनको तो अनुचित आचरण करने वाले मुनियों के आचरण का विचार करने के साथ उनका स्थितिकरण करने का भी यथासम्भव यत्न करना चाहिए।

इसके बाद भी कोई मुनि अट्ठाईस मुलगुणों का पालन करने के बजाय उनका भंग ही करते हो तो उनके प्रति मध्यस्थता अपनाकर उदासीन हो जाना चाहिए। तथापि ऐसे कतिपय आचरणरहित मुनियों की आड़ लेकर इस काल के सभी मुनियों पर शरसन्धान करना योग्य नहीं है। वैसा करना मिथ्यात्व, तीव्र कषाय और दुर्जनता का चिह्न है, महापाप है। किसी मुनि के आचरण की समीक्षा करना अलग बात है और उसकी आड़ में सब मुनियों को भ्रष्ट ठहराकर उनकी निन्दा करना अलग बात है। विद्वानों को तो यह बात अवश्य समझनी चाहिए। व्यक्तिगत रूप से कोई मुनि चारित्रभ्रष्ट हों और समझाने पर भी आचरण में सुधार नहीं कर रहे हों तो वे स्वयं अवन्दनीय होते हैं। उनके कारण इस काल के सभी मुनि अवन्दनीय नहीं होते हैं। इस विषय में नीति कहती है-

अशक्तस्य अपराधेन किं धर्मो मलिनो भवेत्।
न हि भेके मृते जाता पयोधे: पूतिगन्धता।।

इसका अभिप्राय यह है कि जिस प्रकार समुद्र में मेंढक मर जाने से समुद्र दुर्गन्धित नहीं होता है उसी प्रकार किसी सामर्थ्यहीन अथवा मोही मुनि के दूषित आचरण से धर्म अथवा सभी मुनि दूषित नहीं होते हैं। सबका चारित्र स्वतन्त्र होता है, फिर अणु-अणु स्वयं में लीन है ऐसा उद्घोष करने वाले लोग किसी-किसी मुनि के अनुचित आचरण को शस्त्र बनाकर वर्तमान के सभी मुनियों को भ्रष्ट, मिथ्यादृष्टि, द्रव्यलिंगी आदि कहें यह कैसे उचित हो सकता है? आगमोक्त आचरण कारने वाले मुनियों का द्वेष करने से, उनकी निन्दा करने से और उनकी उपेक्षा करने से केवल पाप का बन्ध होकर भविष्य में दुर्मरण और दुर्गति ही होगी।

इसका विचार करके सबको जो मुनि अट्ठाईस मूलगुणों का शास्त्रों के अनुसार पालन करते हैं उनके प्रति सब शंकाओं का त्याग करके उनकी भक्ति करनी चाहिए। इसी से सबका कल्याण होगा।

विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025 का पोस्टर लोकार्पण किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। भाषा, साहित्य, कला और संस्कृति के इन्द्रधनुषी रंगों से सराबोर एशिया के सबसे विराट महोत्सव 'विश्वरंग' का छटवाँ सोपान मॉरीशस में पूर्ण भव्यता के साथ आयोजित हुआ था। 7,8 और 9 अगस्त 2024 को भारत-मॉरीशस सहित रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, यू.के., अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, केन्या, इंडोनेशिया, बेहरीन, यू.ए.ई., साइप्रस, श्रीलंका, मलेशिया, नाइजीरिया, न्यूजीलैंड, नेपाल, कतर, सूरीनाम से रचनाकार-कलाकार एवं शिक्षाविद् हिंदी का परचम लहराने विश्व रंग के वैश्विक मंच पर एक साथ एकत्रित हुए। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (भारत), विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरिशस) एवं विश्व रंग सचिवालय (भारत) की मुख्य मेजबानी में आयोजित विश्व रंग 2024 ने मॉरीशस की सरजमीं से हिंदी भाषा के लिए वैश्विक स्तर पर नई जमीन तैयार की है।

इसी दौरान वैश्विक स्तर पर विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड -2025 के आयोजन की घोषणा मॉरीशस के महामहिम राष्ट्रपति एवं माननीय प्रधानमंत्री की गरिमामय उपस्थिति में मंच से की गई थी। इस संबंध में देश-विदेश के चालीस से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक 6-7 जनवरी 2025 को रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। विश्व रंग मॉरीशस की ऐतिहासिक सफलता के अवसर पर घोषित चार्टर के फलस्वरूप विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025 का आयोजन 50 से अधिक देशों में विश्व रंग फाउंडेशन (भारत), वनमाली सृजन पीठ, भोपाल, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में 14 सितंबर हिंदी दिवस से 30 सितंबर 2025 विश्व अनुवाद दिवस तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड - 2025 के व्यापक प्रचार-प्रसार के प्रथम चरण में ओलम्पियाड का पोस्टर अंतरराष्ट्रीय सहित, राष्ट्रीय स्तर पर सभी राज्यों में लोकार्पित होना है। डोंगरगढ़ आईसेक्ट केंद्र समन्वयक निशांत जैन के आग्रह पर इसका लोकार्पण 21 फरवरी 2025 को श्रीमती बिरेन्द्र कौर गरचा (बी.ई.ओ.) विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय डोंगरगढ़, डॉ. श्रीमती ई. व्ही. रेवती (प्रभारी प्राचार्य) शासकीय नेहरु स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ एवं श्री प्रकाश यादव (प्राचार्य, सदस्य छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर) सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा किया गया 7उक्त जानकारी डोंगरगढ़ आईसेक्ट केंद्र समन्वयक निशांत जैन द्वारा दी गयी है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 22 फरवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

महाकुंभ ले जाने के नाम पर धोखाधड़ी, एफआईआर दर्ज

जगदलपुर(विश्व परिवार)। बस्तर में महाकुंभ और अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है. पीड़ितों ने इसकी शिकायत जगदलपुर कोतवाली थाने में की है. पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. पीड़ितों ने बताया, परचनपाला के रहने वाले योगेन्द्र पांडे ने कुंभ और अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन के नाम पर बस्तर के 55 लोगों से 7 से 8 हजार रुपए ले लिए, लेकिन प्रयागराज और काशी दर्शन के बाद यात्रियों को वादे के अनुसार अन्य स्थान नहीं ले गए. यात्रियों के विरोध करने पर योगेन्द्र पांडे और उसके साथियों ने यात्रियों से बदसलूकी भी की और कोरबा के पास बस छोड़कर भाग गए. सभी यात्री किसी तरह पैसे इकट्ठे कर वापस जगदलपुर पहुंचे. इसके बाद सभी ने कोतवाली थाने में योगेंद्र पांडे के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है.

यह जीत भाजपा की सुशासन की जीत है : रंजना साहू

धमतरी(विश्व परिवार)। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू के निजनिवास पहुंचकर नगर पंचायत आमदी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती ज्योति साहू सहित सभी पार्षदों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सौजन्य मुलाकात किए। सभी को नवीन दायित्व की बधाई देते हुए एवं नगर विकास की चर्चा करते हुए श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि यह जीत भाजपा की सुशासन की जीत है प्रदेश में भाजपा की विष्णु देव साय की सरकार निरंतर जन भावनाओं के अनुरूप काम कर रही है जिससे पुरे प्रदेश में भाजपा प्रत्याशीयों को सफलता मिली है, साथ ही सभी शासन की योजनाओं को जनजन तक पहुंचाएं जिससे अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके साथ साथ एक जनप्रतिनिधि के दायित्व को पूरी लगन से निर्वहन करने की बात कही। इस अवसर में आमदी मंडल के अध्यक्ष अमन राव, पूर्व अध्यक्ष मुरारी यदु, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री नीलकंठ साहूजी उपस्थित रहे।

रूद्री में एटीएम लूटने का असफल प्रयास

धमतरी(विश्व परिवार)। धमतरी जिले के रुद्री थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित एक एटीएम में अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ कर पैसे निकालने का प्रयास किया पर असफल रहने पर वापस लौट गये। रूद्री पुलिस मामले की जांच कर रही है किंतु एटीएम में सीसीटीव्ही नही होने से आरोपियों की पहचान करने में पुलिस को दिक्कत हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार रूद्री थाने से सिर्फ सौ मीटर की दूरी पर स्थित एटीएम में बुधवार रात तोड़फोड़ हुई है। इसकी सूचना आसापास के व्यापारियों ने रात में ही एटीएम के संचालक महेश श्रीवास्तव को दी। जब वे मौके पर पहुंचे, तो एटीएम की मशीन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त पाई गई। साथ ही, एटीएम के एक्स्ट्रा रूम में लगी बैटरी यूपीएस को भी नुकसान पहुंचाया गया और डिस्प्ले तोड़ दिया गया। हालांकि एटीएम में रखी नकदी में कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है और वह पूरी तरह सुरक्षित है। एटीएम में सीसीटीवी नहीं था, लेकिन एक कैमरा मशीन पर लगा हुआ था, जिससे अज्ञात व्यक्ति की पहचान हो सकती है। कंपनी से मेल करने पर उस फुटेज को हासिल किया जाएगा। बताया गया कि एटीएम में करीब 5 लाख रुपए की नकदी रखी गई थी। जिसके बाद इसकी सूचना रूद्री थाने में दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कई दशकों से मूलभूत सुविधाएं नहीं मिला तो वोटरों ने बदल दिया वार्ड 22 में सरकार

झूठे वादों की सरकार को हटा वार्ड के लोगो ने पुष्पा को दिया मौका

जांजगीर चाम्पा(विश्व परिवार)। चाम्पा के वार्ड नंबर 22 में पुष्पा अनीश सिह ने भारी मतों के अन्तर से जीत हासिल कर कमल खिलाया है। वार्ड वासियों सहित वर्तमान पार्षद ने बताया की लोग यहा बीते कई दशकों से मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस गए है। इसके अलावा विकास कार्यो का नामोनिशान नहीं है। यही वजह रहा कि एक अच्छे और कार्य करने वाले चेहरे के रूप मे पुष्पा पर वार्ड ने भरोसा जताया है। अपने पहले ही प्रयास में इन्होंने चुनाव जीता वो भी भारी मतों के अन्तर से। बताया जाता है की वार्ड में बीते कई पंचवर्षीय में किसी तरह का कार्य नहीं हुवा है। वार्ड में गंदगी के साथ, नाली, पानी आवास व बिजली की व्यवस्थाओं के लिए लोग तरस गए है। शासन का जब अंग नही बनी थी तब से समाजसेवा का भाव जागृत होने के कारण वार्ड वासियों के बीच रह कर उनके समस्याओं को जाना और अपनी ओर से जो हो सके सहयोग किया। वार्ड में सरल, सहज व मिलनसार होने के कारण लोगो ने अपने बीच से ही पार्षद चुना है। वार्ड 22 में कुल 884 लोगो ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। जिसमें भाजपा की अनीस पुष्पा सिह को 502 वोट प्राप्त हुए है, उन्होंने कॉंग्रेस के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 280 मतों के अन्तर से हराया है, कॉंग्रेस महज 222 वोट में सिमट कर रह गया। जबकि निर्दलीय को मात्र 148 वोट मिले, जिसे 354 वोट के अन्तर से पटखनी दी गई है। वहीं नोटा इनमें से कोई पसंद नही वालो में 12 लोग शामिल है। इस तरह से भाजपा ने भारी मतों के अन्तर से विजयश्री पाया है। उनके विजित होने के बाद लोगों ने जमकर स्वागत किया, साथ ही जीत की खुशी में विजय जुलूस भी निकाले गए और उन्होंने सभी का अभिवादन भी किया। अपने इस पहले ही चुनाव में विजित हुई पुष्पा पर लोगो ने उनके व्यवहार और सहयोग के भावना को लेकर भरोसा जताया है। चुनाव से पूर्व ही उन्होंने लोगो के बीच वार्ड में व्याप्त समस्या को लेकर पहुच रहीं थीं, साथ ही निस्वार्थ भाव से कार्य करने का भरोसा जताया।लोगो ने उन्हें इस लिए भी पसन्द किया क्योंकि जनप्रतिनिधि नहीं होने के बाद भी उनके अंदर सेवाभाव रहा है। वहीं अपने जिम्मेदारी से भागने वालों के चलते वार्ड की दयनीय दशा ने दुखी किया, साथ ही लोगो को होने वाली असुविधा ने भी इन्हें चुनाव लड़ने की प्रेरणा दी, जिससे वे वार्ड की दशा दिशा को बदल सके। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया की बीते कई कार्यकाल में यहा कोई काम नहीं हुवा है। निस्तार का मुख्य श्रोत यहां के तालाब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। तालाब में साफ सफाई से लेकर गहरीकरण की सख्त आवश्यकता है। इसके अलावा पूरे वार्ड में सड़क पर लाइट नहीं होने के कारण अंधेरा पसरा होता है।

राजिम कुंभ मेला: सुरक्षा बैंड से गुमशुदा बच्चों को मिल रहे परिजन

गरियाबंद (विश्व परिवार)। राजिम कुंभ कल्प मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, जिसमें कई छोटे बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ जाते हैं। ऐसे में सुरक्षा कर्मी मुस्तैदी से कार्य कर रहे हैं और गुमशुदा बच्चों को उनके परिवार से मिलाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

मेले में तैनात पुलिस कर्मी छोटे बच्चों के हाथों में सुरक्षा बैंड बांध रहे हैं, जिसमें परिजनों के संपर्क नंबर लिखे होते हैं। इससे बिछड़े हुए बच्चों को जल्द ही उनके परिवार से मिलाया जा रहा है।

गुम हुए बच्चे सुरक्षित पहुंचे परिजनों के पास- गौरी साहू (उम्र 03 वर्ष, निवासी-सेजबहार रायपुर) मीना बाजार में अपने माता-पिता से बिछड़ गई थी, जिसे पुलिस ने खोजकर परिजनों से मिलवाया।

कविता यादव (उम्र 10 वर्ष) गंगा आरती के दौरान भीड़ में खो गई थी, जिसे सुरक्षित उसके परिजन को सौंपा गया।

योगेश कुमार (उम्र 12-13 वर्ष, निवासी-दलदलसिवनी रायपुर) बिना बताए मेला देखने पहुंच गया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके पिता घनश्याम साहू से संपर्क कर उसे सुपुर्द कर दिया।

सुरक्षा कर्मियों की अपील- **राजिम कुंभ मे**ला में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने आमजन से अपील की है कि वे अपने नन्हे बच्चों के हाथों में सुरक्षा बैंड अवश्य बंधवा लें। इससे किसी भी अनहोनी की स्थिति में बच्चों को शीघ्रता से उनके परिजनों से मिलाया जा सके।मेले में 24 घंटे तैनात सुरक्षा कर्मी श्रद्धालुओं की हरसंभव सहायता के लिए तत्पर हैं।

कलेक्टर एवं एसपी ने पांगन नदी पर बन रहे पुल निर्माण कार्य का लिया जायजा

बलरामपुर(विश्व परिवार)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत पचावल में पांगन नदी पर बन रहे उच्चस्तरीय पुल का निरीक्षण करने कलेक्टर राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल ग्राम पचावल पहुंचे। उन्होंने पुलिया का अवलोकन कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण करते हुए समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। ताकि इन क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों को जल्द से जल्द बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके। कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि पुल के निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी, जिससे न केवल उनके जीवन स्तर में सुधार होगा, बल्कि व्यापार के नए अवसर भी मिलेंगे। साथ ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार जैसी सुविधाओं तक पहुंच आसान हो पाएगी।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्कूलों का किया निरीक्षण

बलरामपुर(विश्व परिवार)। स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन एवं शिक्षा की गुणवत्ता का जायजा लेने कलेक्टर राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल ने विकासखंड रामचंद्रपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत त्रिशुली के पूर्व माध्यमिक शाला खजुवाहीपारा तथा विकासखंड वाड्रफनगर के मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र धनवार, पूर्व माध्यमिक शाला कोटराही का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल संचालन, व्यवस्थाओं, साफ-सफाई और शिक्षण प्रक्रिया का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने कक्षाओं में जाकर छात्रों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई से संबंधित प्रश्न भी पूछा जिसका बच्चों ने बड़े ही सहजता से जवाब दिया। इस दौरान बच्चों से उनके करियर, रुचि के बारे में भी पूछा गया। जिस पर बच्चों ने डॉक्टर, शिक्षक, पुलिस बन कर सेवा देने की इच्छा जाहिर की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रधान पाठक से स्कूल में बच्चों की उपस्थिति और दर्ज संख्या के विरुद्ध उपस्थिति की भी जानकारी ली।

मतदान केंद्र में नशे में मिले पीठासीन अधिकारी, तत्काल निलंबित

गरियाबंद (विश्व परिवार)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दूसरे चरण के दौरान गरियाबंद जिले से एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। मतदान केंद्र क्रमांक 72 (शासकीय प्राथमिक शाला, कुकदा) में तैनात पीठासीन अधिकारी छगन लाल शोनेन्द्र मतदान प्रक्रिया के दौरान शराब के नशे में धुत पाए गए, जिससे मतदान कार्य बाधित हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मतदान प्रारंभ होने के कुछ समय बाद ही श्री शोनेन्द्र मतदान केंद्र में सो गए। जब इस घटना की सूचना प्रशासन को मिली, तो तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, जिसमें यह पुष्टि हुई कि उन्होंने निर्वाचन कार्य के दौरान शराब का सेवन किया था।

तत्काल निलंबन की कार्रवाई- कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने इस कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 एवं 23 का उल्लंघन मानते हुए, छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत छगन लाल शोनेन्द्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

निलंबन अवधि के निर्देश- निलंबन आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि में उनका कार्यस्थल विकासखंड शिक्षा अधिकारी, गरियाबंद रहेगा, और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

प्रशासन की कड़ी चेतावनी- इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने संबंधित उच्च अधिकारियों को सूचना भेज दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह मामला निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी है।

कलेक्टर-एसपी ने माकड़ी और फरसगांव में मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन-2025 अंतर्गत दूसरे चरण में गुरूवार को जिले के फरसगांव और माकड़ी जनपद में मतदान संपन्न हुआ। कई मतदान केंद्रों में बड़ी संख्या में कतारबद्ध महिलाएं सहित सभी ग्रामीण मतदाता बहुत उत्साहित नजर आए। द्वितीय चरण के निर्वाचन का निरीक्षण करने के लिए आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुणाल दुदावत ने पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार के साथ जिले के माकड़ी और फरसगांव अंतर्गत विभिन्न गांवों का दौरा किया और मतदान केंद्रों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर ने माकड़ी अंतर्गत ग्राम शामपुर, मारागांव, छोटे सलना, लुभा, कोकोड़ी, कोसार हरदुली, तारगांव, रांधना, नयापारा, बरकई, तथा फरसगांव अंतर्गत बोरगांव, लंजोड़ा और जैतपुरी के मतदान केंद्रों में पहुंचकर पीठासीन अधिकारियों से मतदाताओं की संख्या और मतदान की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मतदान केन्द्र में चिकित्सा विभाग की टीम से चर्चा करते हुए उपलब्ध दवाईयों के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने इस दौरान मतदान कर्मियों से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने के निर्देश दिए और कहा कि मतदान केन्द्रों में मतदाताओं को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। ज्ञात हो कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के दूसरे चरण अंतर्गत जनपद पंचायत फरसगांव में 158 मतदान केंद्र हैं और मतदाता की संख्या 68287 है। इस दौरान 68 सरपंच, 372 पंच, 20 जनपद सदस्य और 02 जिला पंचायत सदस्य पद के लिए मतदान हुआ। फरसगांव के कुल 73 सरपंच में से 05 निर्विरोध और कुल 878 पंच में से 506 निर्विरोध चुने गए हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत माकड़ी में 154 मतदान केंद्र हैं और कुल मतदाताओं की संख्या 76160 है। इस दौरान 67 सरपंच, 415 पंच, 18 जनपद सदस्य और 02 जिला पंचायत सदस्य के लिए मतदान हुआ। माकड़ी के कुल 889 पंच में से 474 पंच निर्विरोध चुने गए हैं।

जिला पंचायत के नवनिर्वाचित सदस्यों को मिले प्रमाणपत्र

कांकेर(विश्व परिवार)। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के तहत जिला पंचायत सदस्य हेतु नवनिर्वाचित प्रत्याशियों को आज दोपहर जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने विजयी की घोषणा करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा। जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 01 से मृदुला भास्कर, क्षेत्र क्रमांक 02 से सुलोचना मेश्राम, क्रमांक 03 से सावित्री संजना वट्टी, क्रमांक 04 से तारा ठाकुर, क्रमांक 05 से तेजेश्वरी गब्बर सिन्हा और क्रमांक 06 से किरण नरेटी को विजयी होने का प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। इस अवसर पर प्रेक्षक विश्वरंजन कुमार, एसडीएम कांकेर अरूण वर्मा, डिप्टी कलेक्टर टी.आर. देवांगन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि त्रिस्तरीय आम निर्वाचन के तहत प्रथम चरण का मतदान कांकेर, चारामा और नरहरपुर में संपन्न हुआ, जिसके परिणामस्वरूप निर्वाचित प्रत्याशियों के नामों की घोषणा हुई थी। इसी क्रम में जिला पंचायत सदस्य हेतु निर्वाचित सदस्यों के नामों की घोषणा के साथ ही उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

व्यापार समाचार

महाकुंभ से स्थानीय व्यापार को भारी बढ़ावा, कुल व्यापार 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक के पार

महाकुंभ नगर(एजेंसी)। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के अनुसार, इस बार के महाकुंभ ने 3 लाख करोड़ रुपए (360 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक का व्यापार उत्पन्न किया है, जिससे यह भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है। सीएआईटी के महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि शुरुआती अनुमान के अनुसार, 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने और 2 लाख करोड़ रुपए के व्यापार की संभावना थी, लेकिन देशभर में इस आयोजन को लेकर अभूतपूर्व उत्साह के कारण अब 60 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, जिससे कुल व्यापार 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है। महाकुंभ 2025 के दौरान कई व्यापारिक क्षेत्रों में बड़ा आर्थिक उछाल देखने को मिला। इनमें पर्यटन, होटल और आवास सेवाएं, खाद्य और पेय पदार्थ उद्योग, परिवहन और लॉजिस्टिक्स, पूजा सामग्री, धार्मिक वस्त्र और हस्तशिल्प, हेल्थकेयर और वेलनेस सेवाएं, मीडिया, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग, स्मार्ट टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी, टेलीकॉम और एआई आधारित सेवाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं। महाकुंभ के कारण केवल प्रयागराज ही नहीं, बल्कि 150 किमी के दायरे में स्थित शहरों और कस्बों में भी व्यापार में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। इसके अलावा, अयोध्या, वाराणसी और अन्य धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में सड़क, फ्लाईओवर और अंडरपास के निर्माण एवं सुधार पर 7,500 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इस राशि में से 1,500 करोड़ रुपए विशेष रूप से महाकुंभ की व्यवस्थाओं के लिए आवंटित किए गए थे। इससे न केवल प्रयागराज में, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी यातायात और नागरिक सुविधाओं में सुधार हुआ है। अगर अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। 1 फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी। माघी पूर्णिमा के महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर भी 2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पावन स्नान किया था।

गुगल पे चलाने पर अब देना होगा चार्ज हर ट्रांजेक्शन पर लगेंगे इतने पैसे

नई दिल्ली(एजेंसी)। गूगल पे का इस्तेमाल करते है तो आपके लिए इस खबर को पढ़ना जरूरी है। क्योंकि अब गूगल पे का इस्तेमाल करने पर आपको चार्ज देना पड़ेगा। गूगल ने यूजर्स से कनविनियंस चार्ज वसूलना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप बिल पेमेंट के लिए क्रेडिट या फिर डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करेंगे तो 0.5 फीसदी से 1 फीसदी तक का चार्ज आपसे लिया जाएगा, इस चार्ज के अलावा आपको जीएसटी भी देना पड़ेगा। हालांकि, अब तक गूगल पे यूजर्स से बिल पेमेंट्स के लिए कोई भी अतिरिक्त चार्ज नहीं लेता था। कनविनियंस चार्ज को लेकर फिलहाल गूगल पे ने कोई भी ऑफिशियल जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब एक ग्राहक ने जब बिजली बिल भरने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया तो ऐप ने 15 रुपए की कनविनियंस फीस यूजर से चार्ज की है. इस फीस को डेबिट/ क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन के लिए प्रोसेसिंग फीस नाम से ऐप में दिखाया जा रहा है जिसमें त्रस्झ भी शामिल है। गूगल पे के जरिए यूपीआई ट्रांजैक्शन पर चार्ज को लेकर फिलहाल कोई भी जानकारी नहीं है, ग्लोबल सर्विस फर्म क्व2ष्ट के अनुसार, स्टेकहोल्डर्स को यूपीआई ट्रांजेक्शन प्रक्रिया में 0.25 फीसदी खर्च करना पड़ता है।

लाल निशान पर खुला भारतीय शेयर बाजार

मुंबई (एजेंसी)। मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच गुरुवार को भारतीय बेंचमार्क सूचकांक गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में ऑटो, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टरों में बिकवाली देखी गई। सुबह करीब 9.37 बजे सेंसेक्स 219.70 अंक या 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,719.48 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 45.75 अंक या 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,887.15 पर था। निफ्टी बैंक 270.85 अंक या 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 49,299.25 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 266.60 अंक या 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,260.65 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.95 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 15,465.95 पर था। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, नकारात्मक शुरुआत के बाद, निफ्टी को 22,850 पर सपोर्ट मिल सकता है, इससे पहले 22,800 और 22,700 पर सपोर्ट मिल सकता है। ऊपरी स्तर पर 23,000 तत्काल प्रतिरोध हो सकता है। चॉइस ब्रोकिंग के डेरिवेटिव विश्लेषक हार्दिक मटालिया ने कहा, वर्तमान में चल रही अस्थिरता को देखते हुए, व्यापारियों को सावधानी बरतने, सख्त स्टॉप-लॉस रणनीति लागू करने और ओवरनाइट पोजीशन रखने से बचने की सलाह दी जाती है। इस बीच, सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, आईटीसी, मारुति, जोमैटो, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टाटा मोटर्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर टॉप लूजर्स रहे। जबकि, इंफोसिस, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, पावर ग्रिड और आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर्स रहे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में, डाउ जोंस 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,627.59 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.24 प्रतिशत चढ़कर 6,144.15 पर और नैस्डैक 0.07 प्रतिशत चढ़कर 20,056.25 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में, सोल, चीन, बैंकॉक, जापान, जकार्ता और हांगकांग लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ मैचों में निरंतरता बनाए रखना चाहती है

भुवनेश्वर(एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में अपने अगले मैचों में आयरलैंड से भिड़ने के लिए तैयारियों में निरंतरता बनाए रखने का लक्ष्य रखेगी, कप्तान हरमनप्रीत ने जोर देकर कहा कि हर मैच महत्वपूर्ण है, और टीम पिछली जीत की लय को जारी रखना चाहेगी। अपने अभियान की मिली-जुली शुरुआत के बाद, भारत आगामी मैचों में ठोस प्रदर्शन के साथ गति बनाने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने की कोशिश कर रहा है। मेजबान टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत स्पेन के खिलाफ 3-1 से हार के साथ की, लेकिन दूसरे गेम में उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 2-0 की शानदार जीत के साथ जल्दी ही वापसी की। हालांकि, जीत की उनकी तलाश तब थम गई जब उन्हें अपने तीसरे मैच में

जर्मनी से 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। चौथे मैच में भारत ने वापसी की और कप्तान हरमनप्रीत और उप कप्तान हार्दिक सिंह की वापसी की बदौलत जर्मनी पर 1-0 से जीत हासिल की। दोनों ही चोट के कारण जर्मनी के खिलाफ पहले चरण में नहीं खेल पाए थे। चार मैचों में छह अंक लेकर सातवें स्थान पर काबिज भारत की कोशिश पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन की समस्या को दूर करने की होगी, जो टूर्नामेंट में लगातार चुनौती रही है। अपने चार मैचों में 14 पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद भारतीय टीम इनमें से किसी भी मौके को गोल में नहीं बदल पाई है। आयरलैंड के खिलाफ मैचों से पहले बोलते हुए भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ये आगामी मैच हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि हम एफआईएच प्रो लीग में निरंतरता बनाए रखना चाहते हैं और गति बनाए रखना चाहते हैं। हर मैच में सुधार करने और महत्वपूर्ण अंक हासिल करने का मौका होता है और हम जानते हैं कि आयरलैंड कड़ी चुनौती पेश करेगा। भले ही वे स्टैंडिंग में निचले स्थान पर हैं, लेकिन वे कड़ी टक्कर देने वाली टीम हैं और किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चौंका सकती हैं, इसलिए हम उन्हें हल्के में नहीं ले सकते।हमारा मुख्य ध्यान अपने पेनल्टी कॉर्नर रूपांतरणों को बेहतर बनाने पर होगा, जो एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम संघर्ष कर रहे हैं। हम अवसर बना रहे हैं, लेकिन हमें उन्हें निष्पादित करने में अधिक नैदानिक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, टीम इन मुद्दों को हल करने के लिए प्रशिक्षण में कड़ी मेहनत कर रही है और हमें विश्वास है कि हम अगले मैचों में प्रगति दिखाएंगे। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं और हमें उम्मीद है कि हम अपनी पिछली जीत की लय को आगे बढ़ाएंगे और लीग में आगे बढ़ते हुए सुधार करते रहेंगे। दूसरी ओर, आयरलैंड ने अब तक टूर्नामेंट में संघर्ष किया है और वर्तमान में चार मैचों में से केवल एक अंक के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे है। उन्होंने तीन मैच नियमित समय में और एक शूटआउट में गंवाए हैं, जिससे वे फॉर्म में बदलाव के लिए उत्सुक हैं। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने इस मैचअप में बढ़त हासिल की है, जिसने 2013 से दोनों टीमों के बीच नौ मुकाबलों में से सात जीते हैं। आयरलैंड ने केवल एक जीत हासिल की है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। भारत 21 और 22 फरवरी को आयरलैंड का सामना करेगा। भारत का ध्यान निरंतरता बनाए रखने और आयरलैंड की अपनी पहली जीत की तलाश में है, इसलिए आने वाले मैच दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होने का वादा करते हैं।

गुजरात टाइटंस कप्तान शुभमन गिल को नहीं बल्कि राशिद खान को दे रही है सबसे ज्यादा सैलरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 ने नीलामी से एक मजबूत टीम तैयार की है, जो उन्हें अपकमिंग सीजन में दूसरा टाइटल जिताने की काबिलियत रखती है. गुजरात टाइटंस ने अपने कप्तान शुभमन गिल को रिटेन किया. लेकिन, क्या आपको पता है कि भारतीय क्रिकेट के स्टार और इस टीम के कप्तान गिल जीटी की ओर से सबसे अधिक सैलरी पाने वाले क्रिकेटर नहीं हैं बल्कि एक विदेशी खिलाड़ी को टीम सबसे ज्यादा सैलरी देती है. अगर गुजरात टाइटंस के सबसे महंगे खिलाड़ी की बात करें, तो फ्रेंचाइजी ने अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर को 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया. जबकि कप्तान शुभमन गिल को उन्होंने 16.50 करोड़ रुपये दिए. इस तरह राशिद ही जीटी के सबसे महंगे

खिलाड़ी हैं. हालांकि, इस बात में कोई दोराय नहीं है कि राशिद ये सैलरी डिजर्व करते हैं, क्योंकि वह एक बड़े खिलाड़ी हैं और उन्होंने इस टीम के लिए कंसिस्टेंसी के साथ प्रदर्शन किया है. अफगानिस्तान के स्टार राशिद खान को गुजरात ने अपने पहले सीजन यानी 2022 में ही साथ जोड़ा था और तभी से वह लगातार टीम का हिस्सा हैं. गुजरात के लिए अगर राशिद के प्रदर्शन की बात करें, तो उन्होंने अब तक कुल 45 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 23.92 के औसत से 56 विकेट निकाले हैं. इस दौरान उन्होंने 2 बार फोर विकेट हॉल लिया और उनकी इकोनॉमी 7.67 की रही है. वहीं, बल्ले से भी राशिद ने कमाल दिखाया है. वह गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर्स की लिस्ट में 8वें नंबर पर हैं. उन्होंने 25 पारियों में 184.57 की स्ट्राइक रेट से 323 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 1 हाफ सेंचुरी आई है और उन्होंने 22 चौके और 25 छक्के लगाए हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी से रूल्ड आउट हुआ फखर जमान, रिपोर्ट में दावा

नईदिल्ली(एजेंसी)। 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मैच खेला जाने वाला है. लेकिन, इससे पहले मेजबान पाक टीम के लिए एक बुरी खबर आ रही है. ताजा रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि टीम के स्टार क्रिकेटर फखर जमान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं. हालांकि, अभी तक आईसीसी या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. चैंपियंस ट्रॉफी में पहले ही मैच में मिली हार के बाद पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका लगा है. सोशल मीडिया पर सामने आ रहीं रिपोर्ट्स की मानें, तो फखर जमान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं. मगर, आपको बता दें, फिलहाल इस खबर की किसी ने भी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. बताया जा रहा है कि फखर के रिप्लेसमेंट के तौर पर पाकिस्तान टीम में इमाम उल हक की एंट्री हो सकती है, जिन्होंने आखिरी बार 2023 वनडे वर्ल्ड कप

के दौरान पाकिस्तान के लिए वनडे मैच खेला था. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया, जिसमें जहां फील्डिंग के दौरान मैच की दूसरी ही गेंद पर उन्हें चोट लग गई थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे. हालांकि, फिर वह मैदान पर लौटे, लेकिन वह असहज दिखे.

टेस्ला पूरी तरह से असेंबल्ड, महंगे मॉडल वाई के साथ कर सकती है भारत में एंट्री

नई दिल्ली(एजेंसी)। अमेरिकी इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी टेस्ला इस साल के अंत में भारत में प्रवेश करने के लिए तैयार है। एलन मस्क द्वारा संचालित कंपनी टॉप-डाउन अप्रोच अपनाने के लिए तैयार है। कंपनी पहले देश में महंगे मॉडल लॉन्च करेगी और फिर सस्ते वाहन लॉन्च करेगी। इलेक्ट्रिक कार निर्माता कथित तौर पर अपनी बर्लिन गीगाफैक्ट्री से पूरी तरह से असेंबल्ड मॉडल वाई भारत में आयात करने के लिए तैयार है। इलेक्ट्रिक एसयूवी यूरोप में राइट-हैंड ड्राइव कॉन्फिगरेशन में निर्मित होती है। सरकार द्वारा हाल ही में घोषित संशोधित आयात शुल्क संरचना को देखते हुए टेस्ला मॉडल वाई की कीमत

60-70 लाख रुपये होगी। देश ने 40 हजार डॉलर (लगभग 34,780 रुपये) से अधिक कीमत वाली हाई-एंड कारों पर मूल सीमा शुल्क को 110 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत कर दिया है। राइट-हैंड-ड्राइव मॉडल 3 भी शंघाई में बनाया जाता है, लेकिन चीनी कार आयात पर बाधाओं के कारण पहले चरण में इसके आने की संभावना नहीं है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में टेस्ला वाहनों की स्थानीय असेंबली की कोई योजना नहीं है। हालांकि, निकट भविष्य में ये योजनाएं बदल सकती हैं। टेस्ला, जिसका पुणे में एक कार्यालय है, कथित तौर पर देश में अपना पहला शोरूम स्थापित करने के लिए मुंबई में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और दिल्ली में एरोसिटी में स्थानों की तलाश कर रही है। कंपनी ने कम से कम 13 नई भूमिकाओं के लिए विज्ञापन दिया है, जिनमें से ज्यादातर मुंबई और दिल्ली के बाजारों के लिए हैं। लिंक्डइन विज्ञापनों के अनुसार, इन नौकरियों में बिजनेस ऑपरेशन एनालिस्ट, सर्विस टेक्नीशियन और कस्टमर एंगेजमेंट मैनेजर और ऑर्डर ऑपरेशंस स्पेशलिस्ट सहित विभिन्न सलाहकार भूमिकाएं शामिल हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में टेस्ला के मालिक एलेन मस्क से मुलाकात की और स्पेस, मोबिलिटी, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

अपने रनों के लिए नहीं खेलना चाहिए, बाबर आजम की स्लो बैटिंग पर बोले पुजारा

नईदिल्ली(एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के हाथों एक करारी हार का सामना करना पड़ा. कीवी टीम के खिलाफ खेले गए इस मैच में बाबर आजम ने 64 रन की पारी खेली, लेकिन उनकी ये पारी 90 गेंदों पर आई. इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. इसी बीच भारतीय दिग्गज चेतेश्वर पुजारा ने भी बाबर की बैटिंग पर प्रतिक्रिया दी है.

भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने स्टार स्पोर्ट्स के शो में बाबर आजम की स्लो बैटिंग पर बात की. असल में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में बाबर ओपनिंग करने आए. उन्होंने 90 गेंदों का सामना किया, जिसमें 6 चौकों और 1 छक्के की मदद से 64 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 71.11 रनों का ही रहा. चेतेश्वर पुजारा ने बाबर आजम को लेकर कहा, स्पिनर्स के खिलाफ बाबर आजम का फुटवर्क बिल्कुल अच्छा नहीं था. उसने कोई स्वीप शॉट या पैडल स्वीप खेलने की कोशिश नहीं की. आज कल रिवर्स स्वीप भी स्पिनर की लंबाई को बिगाड़ने का एक ऑप्शन है. उसे देखकर ऐसा लगता है कि उस पर मेंटल प्रेशर बन गया है. पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज बाबर आजम की पारी के बाद पुजारा का कहना है कि बल्लेबाजों को टीम के लिए खेलना चाहिए, अपने पर्सनल रनों के लिए नहीं. पुजारा ने आगे कहा, वनडे क्रिकेट आपको खुलकर बल्लेबाजी करने की फ्रीडम देता है. वह एक नेचुरल स्ट्रोक प्लेयर हैं. उसे और अधिक आजादी से बैटिंग करने की जरूरत है. उसे स्ट्राइक रोटेट करने और समय समय पर बाउंड्री लगाने की जरूरत है.

बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने अपने अवॉर्ड पार्टनर 'एशिया इंश्योरेंस रिव्यू' के साथ मिलकर ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉड्र्स (जीआईईए) की लॉन्चिंग की घोषणा की

पुणे: भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी में से एक बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस ने ग्लोबल इंश्योरेंस एक्सीलेंस अवॉड्र्स (जीआईईए) की लॉन्चिंग की घोषणा की, जिसका उद्देश्य एशिया, मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका में जनरल इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस के एडवाइज़र्स के उत्कृष्ट योगदान को सराहना और सम्मानित करना है. इंडस्ट्री में विश्वसनीय नाम और इस इवेंट में पार्टनर, एशिया इंश्योरेंस रिव्यू (एआईआर), वर्ष 2025 के अवॉड्र्स की देखरेख और संचालन करेगी, जिससे इवेंट की विश्वसनीयता और अधिक बढ़ गई है और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता भी जुड़ गई है. बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस द्वारा आयोजित इस इवेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर की इंश्योरेंस इंडस्ट्री के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एडवाइज़र्स को ग्यारह अलग-अलग अवॉर्ड कैटेगरी में सम्मानित किया जाएगा. अवॉड्र्स का मूल्यांकन इंटरनेशनल इंश्योरेंस इंडस्ट्री विशेषज्ञ के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया जाएगा, जिनके नाम इस प्रकार हैं:

1) श्री रौनक शाह, प्रेसिडेंट, जनरल इंश्योरेंस एसोसिएशन ऑफ सिंगापुर 2) सुश्री अनुषा थवरजाह, रीजनल सीईओ एशिया प्रशांत, आलियांज़ एशिया प्रशांत 3) श्री अला अल-ज़ोहेरी, चेयरमैन, इंश्योरेंस फेडरेशन ऑफ इजिप्ट 4) श्री एंटनी ली फुक्र वेंग, डेप्यूटी चेयरमैन, जनरल इंश्योरेंस एसोसिएशन ऑफ मलेशिया 5) श्री मो×द्य39;मेन मुख्तार, प्रेसिडेंट, फेडरेशन ऑफ एफ्रो-एशियाई इंश्योरर्स एंड रीइंश्योरर्स (एफएआईआर) 6) श्री चंदना अलुथगामा, ग्रुप सीईओ, श्रीलंका इंश्योरेंस कॉरपोरेशन 7) श्री आर बालासुंदरम, सेक्रेटरी जनरल, इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफइंडिया विजेताओं की घोषणा वर्ष के अंत में की जाएगी और भारत में भव्य अवॉड्र्स समारोह में उनका सम्मान किया जाएगा. इंश्योरेंस एडवाइज़री में उत्कृष्टता को सम्मान जीआईईए अवॉड्र्स 2025 में, इंडस्ट्री की वास्तविक रीढ़ के रूप में इंश्योरेंस एडवाइज़र्स के असाधारण समर्पण, जुनून और कठोर परिश्रम को सम्मानित किया जाएगा. जीआईईए अवॉड्र्स के लिए, जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर के एडवाइज़र्स को विभिन्न अवॉर्ड कैटेगरी में खुद को नामांकित करने, अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है. इन अवॉड्र्स का उद्देश्य इंश्योरेंस सेक्टर में उनके शानदार योगदान को सम्मानित करना है, जो नागरिकों के साथ उनके सबसे चुनौतीपूर्ण समय में खड़े होकर समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. जीआईईए अवॉड्र्स इंश्योरेंस एडवाइज़र के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाते हैं, जो सबसे अधिक ज़रूरी समय पर सच में बदलाव लाते हैं. जीआईईए 2025 के लिए खुद को या अपने किसी एडवाइज़र को नामांकित करने के लिए, ऑनलाइन नामांकन फॉर्म भरें, जो वेबसाइट https://www.asiainsurancereview.com/giea2025/ पर उपलब्ध है. नॉमिनेशन 19 फरवरी 2025 से शुरू होगी और 20 मार्च 2025 को बंद होगी. एडवाइज़र्स प्रति प्रकाशित पात्रता मानदंडों के अनुसार कई कैटेगरी में नामांकन फाइल कर सकते हैं.

अवॉर्ड की कैटेगरी नीचे दी गई है:

1. एशिया और एमईएनए (भारत सहित) में सर्वश्रेष्ठ हेल्थ इंश्योरेंस एडवाइज़र 2. एशिया और एमईएनए (भारत सहित) में सर्वश्रेष्ठ मोटर इंश्योरेंस एडवाइज़र 3. एशिया और एमईएनए (भारत सहित) में सर्वश्रेष्ठ प्रॉपर्टी इंश्योरेंस एडवाइज़र 4. भारत में सर्वश्रेष्ठ मल्टीलाइन इंश्योरेंस एडवाइज़र 5. एशिया और एमईएनए (भारत सहित) में बेस्ट मल्टीलाइन इंश्योरेंस एडवाइज़र 6. भारत में सर्वश्रेष्ठ पॉइंट-ऑफ-सेल एजेंट 7. एशिया और एमईएनए (भारत सहित) में सर्वश्रेष्ठ वुमेन इंश्योरेंस एडवाइज़र 8. एशिया और एमईएनए (भारत सहित) में सर्वश्रेष्ठ रूकी इंश्योरेंस एजेंट 9. भारत में सर्वश्रेष्ठ रिटेल ब्रोकर 10. एशिया और एमईएनए (भारत सहित) में सर्वश्रेष्ठ कस्टमर सर्विस अवॉर्ड 11. एशिया और एमएनईए (भारत सहित) में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2025 के लिए जीआईईए अवॉर्ड की लॉन्चिंग पर, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, श्री तपन सिंघल ने कहा, एडवाइज़र्स इंश्योरेंस इंडस्ट्री के गुमनाम हीरो हैं, जो अपने कस्टमर के सबसे मुश्किल समय में उनके साथ खड़े रहते हैं,

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 22 फरवरी 2025

अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन : 2 मार्च को भव्य आयोजन

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में इस वर्ष भी अबूझमाड़ महोत्सव के तहत 2 मार्च को अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन का भव्य आयोजन होगा। हाफ मैराथन का शुभारंभ प्रातः 5:30 बजे से हाईस्कूल ग्राउंड, नारायणपुर में होगा। इसका आयोजन छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जिला प्रशासन, जिला पुलिस नारायणपुर, भिलाई स्टील प्लांट (सेल), एनएमडीसी, जायसवाल निको इंडस्ट्रीज तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से किया जा रहा है। अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और शांति का संदेश देने का भी माध्यम है।

INCON 25 : आंजनेय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- ऐसे संवाद और सम्मेलन नई पीढ़ी के शोधकर्ताओं को प्रेरित करते हैं- चांसलर अभिषेक अग्रवाल
- आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में न्यूक्लियर मेडिसिन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है- डॉ. रेणु राजगुरु
- तकनीक के विकास में नियामक और सुरक्षा संबंधी मानकों का पालन करना अत्यंत आवश्यक- डॉ. दीपेन्द्र सिंह

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 21 एवं 22 फरवरी 2025 को INCON 25 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'आणविक चिकित्सा के विकास में नियामक एवं सुरक्षा संबंधी विचार- नवाचार और अनुपालन के बीच संतुलन' रखा गया है। यह सम्मेलन परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद् (AERB), मुंबई द्वारा प्रायोजित है और इसमें आणविक चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान और सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा दो दिनों में होगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रेणु राजगुरु मेडिकल सुपरिंटेंडेंट एम्स रायपुर ने कहा कि न्यूक्लियर मेडिसिन आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उभरता हुआ क्षेत्र है, जो जटिल रोगों के निदान और उपचार में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है। यह तकनीक रेडियोधर्मी आइसोटोप और उन्नत इमेजिंग विधियों का उपयोग करके कैंसर, हृदय रोग, न्यूरोलॉजिकल विकार और अन्य गंभीर बीमारियों का सटीक विश्लेषण एवं उपचार करने में मदद करती है। विशिष्ट अतिथि डॉ दीपेन्द्र सिंह शिक्षा विनियम समिति के अध्यक्ष और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया केंद्रीय परिषद के सदस्य, नई दिल्ली ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में न्यूक्लियर मेडिसिन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके प्रभावी और सुरक्षित उपयोग के लिए नियामक एवं सुरक्षा मानकों का पालन आवश्यक है। रेडियोधर्मी पदार्थों का उपयोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया जाना चाहिए, जिससे मरीजों को अधिकतम लाभ मिले और संभावित जोखिमों को कम किया जा सके। नियामक संस्थाओं द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कर हम चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार और सुरक्षा के बीच संतुलन बना सकते हैं। चांसलर अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि न्यूक्लियर मेडिसिन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और विचार-विमर्श होना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल वैज्ञानिक एवं चिकित्सा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा मिलता है, बल्कि आम जनता और शोधकर्ताओं में भी जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे संवाद और सम्मेलन नई पीढ़ी के शोधकर्ताओं को प्रेरित करते हैं और उन्हें सुरक्षित व प्रभावी चिकित्सा तकनीकों के विकास की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर प्रो चांसलर श्रीमती दिव्या अग्रवाल, वाईस चांसलर डॉ. टी रामाराव, डायरेक्टर जनरल डॉ. बी सी जैन, प्रो वाईस चांसलर डॉ. सुमित श्रीवास्तव, डॉ. हरीश शर्मा सभी डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पांच श्रेणियों में बाँटें गए पुरस्कार

पायनियर साइंटिस्ट अवार्ड- डॉ लुम्बिनी पथिवाडा। जूनियर साइंटिस्ट अवार्ड- श्रीमती दीपशिखा वर्मा, श्री दिव्यांश साहू, सुश्री कृति नौरंगे। इंडस्ट्री एक्सीलेंस अवार्ड-के वी क्लिनिकल research प्राइवेट लिमिटेड। अकादमिक एक्सीलेंस अवार्ड-डॉ. तिलोत्मा साहू। यंग साइंटिस्ट अवार्ड- सुश्री एकता देवांगन को दिया गया।

प्रमुख वक्ताओं में- सम्मेलन में विश्वविख्यात वैज्ञानिक, शोधकर्ता एवं औद्योगिक विशेषज्ञ विभिन्न तकनीकी सत्रों में अपनी बात रखेंगे। प्रमुख वक्ताओं में डॉ. शशांक कुमार सिंह (CSIR, जम्मू), लॉर ऑकाइने (फ्रांस), डॉ. संतोष कुमार वर्मा (यूलिया विश्वविद्यालय, चीन), डॉ. धीरेंद्र सिंह क्षत्री (SSIPMT, रायपुर), डॉ. मुदालशा रविना (AIIMS, रायपुर), डॉ. मनोज कुमार झा (श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय, कोरबा), डॉ. मुक्ता मल्होत्रा (भगत माता कर्मा गवर्नमेंट कॉलेज), डॉ. माधव बी मल्लिया (BARC, मुंबई), डॉ. शिल्पी गुप्ता (ICFAI विश्वविद्यालय), डॉ. विजयलक्ष्मी बिरादार (कालिंगा विश्वविद्यालय), डॉ. प्राची निमजे (स्स्क भिलाई)(

जेईई मेन्स-2025 : केट इंटरनेशनल स्कूल झीट के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (जेईई मेन्स) 2025 में भारत में नेशनल टेस्टिंग ऐजीसी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा 2025 में केट इंटरनेशनल स्कूल झीट के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शाला को गौरवान्वित किया।

इसमें शिवम भुवाल ने 99.28 प्रतिशत के साथ प्रथम तथा पार्थ सिंघानिया ने 99 प्रतिशत के साथ द्वितीय और अभ्यर्थना महापात्रा ने 98.28 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

शाला प्रबंधन समिति एवं शाला परिवार की ओर से सफल विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई दी।

भाग्य में होगा तो वह भागकर आएगा और भाग्य में नहीं है, तो वह आकर भी भाग जाएगा : मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज

रायपुर (विश्व परिवार)। संसार के सुख जैसे जैसे भोगते जाते है, वैसे वैसे आपकी तृष्णा और बड़ती जाती है जैसे जैसे अग्नी में ईधन डालोगे तो आग और प्रज्वलित होगी, उसी प्रकार इंद्रिय के विषय भोग को भोगकर संतुष्ट होंना चाहते हो तो यह तीन काल में भी संभव नहीं, जिसने भी सुख प्राप्त किया है वह भोग को त्याग करके ही प्राप्त किया है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज ने चुड़ी लैन दिगम्वर जैन मंदिर रायपुर में प्रात:कालीन धर्म सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज ने पद्मपुराण ग्रंथ की बाचना करते हुये कहा कि आचार्य रबिसेन महाराज कहते है कि मनुष्य सुखी होंने के लिये क्या क्या कार्य नहीं करता लेकिन क्या वह सुखी हो पाता है? मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज ने कहा कि तुम क्षणिक इंद्रिय सुख पाने का प्रयास करते हो, और दस विपदाएँ और आपके साथ खड़ी हो जाती है, देखो इधर आप पूजा पाठ प्रवचन आदि पुण्य के कार्य कर रहे थे, अचानक देखा कि दुकान का समय हो गया औरआप पुण्य के कार्य को छोड़कर दुकान खोलने चले जाते हो मुनि श्री ने कहा कि भाग्य का होगा तो वह भागकर आऐगा और भाग्य में नहीं है, तो वह आता हुआ भी भाग जाऐगा। मुनि श्री ने कहा कि पड़ोसी की दुकान पर ग्राहक देखकर मन को खराब मत करना बल्कि अपने मन को हमेशा प्रसन्न बनाऐ रखोगे तो ग्राहक भी आपके पास दौड़ दौड़ कर आऐंगे।

मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज ने कहा कि जब जब आपने सुख के साधन इकट्ठे किये तब तब आपकी निद्रा भंग हुई है जैसे नई नई गाड़ी तो खरीद ली लेकिन गाड़ी चलाना नहीं आता तो डिराईवर रखना पड़ता है और फिर उसके साथ पराधीन हो जाते हो मुनि श्री ने कहा कि जितने जितने आप सुख के साधन ढूंढोगे उतने ही उन साधनों के गुलाम होते चले जाओगे यंहा भी भगवान के दर्शन करने आते हो और आपका मोवाइल साथ चलता है भगवान के दर्शन बाद में करते हो

पहले मोवाइल से फोटो खींचते हो? अरे पहले भगवान के दर्शन तो कर लो... यंहा तक कि हमारी आहारचर्या मैं भी इधर आहार के लिये अम्मा जी चम्मच आगे करती है उधर उनकी नजर कैमरा की ओर होती है, हम सोच रहे हें कि अम्मा जी अंजूली में आहार तो देवें और अम्मा जी सोच रही कि फोटू तो खिंच जाऐ? हम अपने स्टेटस पर डाल सकें!

मुनि श्री सुयश सागर जी महाराज ने कहा कि आजकल धर्म भी प्रदर्शन का हो गया है उन्होंने कहा कि जो जो सुख के साधन जोड़े है वह सुख के साधन तो नहीं वने दु:ख के ही कारण बने है, जितना विकास होंना चाहिये था उतना विकास तो नहीं हुआ विनाश अवश्य हुआ है,

आजकल हर माता पिता अपने बेटा बेटी की परिक्षा में परेशान है महाराज आशीर्वाद दे दो परिक्षा बेटा बेटी की है और परेशान माता पिता है? विचार करो कि इस शरीर और इंद्रीय सुखों के लिये क्या क्या कारण भूत कार्य प्रारंभ नहीं करता यह भोग अत्यंत मत्त स्त्रियों के कटाक्षों के समान ठगने बाले है आचार्यों ने लिखा है कि 'बिषय चोर बहु फिरत है' यह विषय चोर कब तुम्हारे को ठग लेंगे पता ही नही चलेगा मुनि श्री ने कहा कि सुख के साधन सांप के फन के समान डंसने बाले है मुनि श्री ने कहा कि इन विषयों की खातिर ही आप अपनी गाड़ी कमाई को कैसे लुटा देते हो? उन्होंने कहा कि आजकल के बच्चों के लिये आपने इतने सुख के साधन इकट्ठे कर दिये है की उनको धन की कींमत ही नहीं बची उनको नहीं मालुम कि आप सुवह से शाम तक कितनी कठनाई से धन इकट्ठा करते हो? उन्होंने कहा कि आजकल की माताओं ने बच्चों को ज्यादा विगाड़ा है वह साईकिल की मांग करता हें आप उसको ई.वाईक दिला देते हो अरे कभी कभी अपने बच्चों को दस रुपये कमाने का टास्क भी दिया करो जिससे उनको धन की अहमियत का अहसास हो। मुनि श्री ने कहा कि जो आपको आज मिल रहा है वह आपके पुण्य का नियोग है जब जब पुण्य क्षींण होता दिखे तो उसको बड़ाने का पुरुषार्थ करना। उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता **अविनाश जैन** विद्यावाणी ने दी।

आरआईटीईई में मारुत ड्रोन अकादमी के रिमोट पायलट प्रशिक्षण का उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरआईटीईई) के सहयोग से मारुत ड्रोन अकादमी के 'रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन' (आरपीटीओ) ने आज एक उद्घाटन कार्यक्रम की मेजबानी की। यह कार्यक्रम रायपुर के नंदनवन रोड स्थित आदित्य बायोटेक लैब एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड परिसर में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें शामिल हैं- पद्मश्री श्रीमती फुलबासन यादव (गुलाबी गैंग लीडर एवं एनसीसी रायपुर के जनसंपर्क अधिकारी कर्नल प्रदीप नायर और उनकी टीम मारुत ड्रोन अकादमी सह-संस्थापक श्री साई कुमार, एवं श्री संजय पाल, मारुत ड्रोन अकादमी उत्तरदायी प्रबंधक एचएफओ नित्यानंद जायसवाल, मारुति ड्रोन अकादमी अध्यक्ष श्री स्वरूप चंद जैन, रायपुर प्रौद्योगिकी संस्थान (आरआईटीईई) सचिव श्री शैलेन्द्र जैन, आर.आई.टी.ई.ई उत्तरदायी प्रबंधक श्री पी.एल. यदु, राइटी श्री पुष्पेंद्र कुमार यदु, ड्रोन पायलट/प्रोजेक्ट इंजीनियर, आरआईटीईई श्रीमती रानी जयसवाल, राइटी उद्घाटन समारोह एक स्वागत भाषण और औपचारिक रिबन काटने के साथ शुरू हुआ, जो छात्रों और पेशेवरों को अत्याधुनिक ड्रोन उड़ान कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से इस नई प्रशिक्षण पहल की शुरुआत का प्रतीक है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने लाइव ड्रोन उड़ान प्रदर्शन देखा, जिससे उन्हें उन्नत तकनीक और व्यावहारिक अनुप्रयोगों की एक झलक मिली जो इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सिखाई जाएगी। मारुति ड्रोन अकादमी और आरआईटीईई के बीच सहयोग का उद्देश्य ड्रोन प्रौद्योगिकी के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कैरियर अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम में बोलते हुए, पद्मश्री श्रीमती फुलबासन यादव ने ड्रोन प्रौद्योगिकी के भविष्य और उच्च मांग वाले कौशल के साथ युवाओं को सशक्त बनाने की इसकी क्षमता के बारे में उत्साह व्यक्त किया। कर्नल प्रदीप नायर ने आधुनिक तकनीकी शिक्षा के विकास में ऐसी पहल के महत्व पर भी जोर दिया। मारुति ड्रोन अकादमी के श्री साई कुमार और श्री संजय पाल ने व्यावहारिक, व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ भविष्य के ड्रोन पायलटों को आकार देने के लिए अकादमी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। समारोह के बाद इंटरैक्टिव सत्र और ड्रोन उड़ान अनुभव का आयोजन किया गया, जहां छात्रों और उपस्थित लोगों को ड्रोन को काम करते हुए देखने का अवसर मिला। यह आयोजन रायपुर की तकनीकी उन्नति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो ड्रोन उद्योग में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट कैरियर मार्ग प्रस्तुत करता है, जो कृषि, निगरानी और फिल्म निर्माण सहित कई क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रहा है।

एनआईटी रायपुर और वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए के बीच अकादमिक सहयोग हेतु हुआ एमओयू

रायपुर (विश्व परिवार)। अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग और अनुसंधान के नए अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर और वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के बीच विगत दिनों एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक और रिसर्च सहयोग को सशक्त बनाना है। इसके तहत अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी छात्रों के स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, दोनों विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों, शिक्षकों, शोध सामग्री और दस्तावेजों का आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं में समन्वय तथा नई विकसित तकनीकों के व्यवसायीकरण में आपसी सहयोग पर कार्य किया जाएगा। यह समझौता दोनों संस्थानों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह एमओयू तीन वर्षों के लिए वैध रहेगा और इस साझेदारी से दोनों संस्थानों के छात्र, संकाय सदस्य और शोधकर्ता लाभान्वित होंगे, जिससे वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक और शोध सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

रायपुर रेल मंडल में प्रयागराज जाने के लिए रायपुर एवं दुर्ग शहरों से 28 कुंभ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया

अन्य जोनल रेलवे से चलने वाली 56 कुंभ स्पेशल ट्रेने रायपुर रेल मंडल से गुजरी जिसमें रायपुर रेल मंडल से 28 कुंभ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा महाकुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं का विशेष क्राउड मैनेजमेंट

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में प्रयागराज महाकुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रायपुर एवं दुर्ग रेलवे स्टेशन से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित अन्य जोनल रेलवे से चलने वाली 56 कुंभ स्पेशल ट्रेने रायपुर रेल मंडल से गुजरी जिसमें रायपुर रेल मंडल से 28 कुंभ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया। इसके अतिरिक्त दुर्ग छपरा, सारनाथ एक्सप्रेस, दुर्ग नौतनवा, गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस से प्रतिदिन श्रद्धालुओं ने प्रयागराज त्रिवेणी में स्नान किया। महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों में सामान्य श्रेणी,स्लीपर एवं वातानुकूलित सहित 12 अतिरिक्त कोच भी लगाए गए। कुंभ स्पेशल ट्रेनो से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित इस्पात नगरी भिलाई, दुर्ग, डोंगरगढ़ भाटापारा, उसलापुर, अनूपपुर, पेंड्रारोड, शहडोल, मध्य प्रदेश के उमरिया, कटनी, सतना, जबलपुर एवं महाराष्ट्र के गोंदिया इत्यादि स्टेशनों से लगभग श्रद्धालुओं ने प्रयागराज में संगम की डुबकी लगाई।

रायपुर एवं दुर्ग स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है। जिससे यात्रियों को किसी भी सुविधा का सामना न करना पड़े। मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद के निर्देशन में कुंभ मेला श्रद्धालुओं के लिए रेलवे अधिकारियों, मुख्य वाणिज्य निरीक्षकों, रेलवे सुरक्षा बलों अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टॉफ, मेडिकल स्टाफ को स्टेशनों पर यात्रियों की व्यवस्था हेतु नामित किया गया है जो स्टेशनों पर लगातार यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करते हुए सुगम एवं व्यवस्थित तरीके से ट्रेनों में यात्रियों के चढ़ने, एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म का उपयोग करते समय सावधानी रखने, लिफ्ट ओवरलोडेड ना हो एस्केलेटर का संचालन सही हो इसकी सुनिश्चितता एवं सुव्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था संभाली। यात्रियों को ट्रेनों में चढ़ने एवं ट्रेनों से उतरते समय निर्बाध कोच से निकासी एवं प्रवेश हेतु पंक्तिबद्ध किया गया। अनाउंसमेंट के द्वारा यात्रियों को लगातार अपडेट करते रहे।

टिकट काउंटर- टिकट काउंटर पर यात्रियों की भीड़ न हो यात्री व्यवस्थित होकर टिकट ले इस हेतु समुचित टिकट काउंटरों की व्यवस्था की गई है। टिकट पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया है कि टिकट काउंटर पर भीड़ की व्यवस्था की निगरानी रखेंगे एवं उच्च अधिकारियों एवं वाणिज्य कंट्रोल को सूचित करेंगे। रायपुर एवं दुर्ग स्टेशन पर रायपुर रेल मंडल में सर्वाधिक यात्रियों का आवागमन रहता है वर्तमान में रायपुर स्टेशन पर 05 आरक्षित टिकट काउंटर एवं 05 अनारक्षित टिकट काउंटर एवं दुर्ग स्टेशन पर 03 आरक्षित काउंटर एवं 03 आरक्षित काउंटर उपलब्ध रहें साथ ही यात्रियों को यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बनाने हेतु भी जागरूक किया गया यात्री एटीएम ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन के माध्यम से भी टिकट प्राप्त कर रहे हैं। शहर में बने यात्री टिकट सुविधा केंद्र (YTSK) के माध्यम से भी आरक्षित टिकट प्राप्त किया।

एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज़ 2025 : क्षेत्रीय दौर 24 फरवरी, 2025 को रायपुर में

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली उपयोगिता कंपनी एनटीपीसी को इलेक्ट्रॉन क्विज़ 2025 की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो कंपनी के उत्कृष्टता के 50वें वर्ष का जश्न मनाने वाला एक प्रमुख कार्यक्रम है। 1 फरवरी से 28 फरवरी 2025 तक चलने वाले इस साल के क्विज़ को 9 क्षेत्रीय स्थानों तक विस्तारित किया गया है, जो प्रतिभा को बढ़ावा देने और भारत के सबसे प्रतिभाशाली दिमागों के साथ जुड़ने के लिए एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रायपुर के लिए क्षेत्रीय दौर 24 फरवरी, 2025 को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में रोमांचक पुरस्कारों के साथ आयोजित किया जाएगा- विजेता टीम के लिए 30,000 रुपए, उपविजेता के लिए 20,000 रुपए और तीसरे स्थान के लिए 10,000 रुपए, साथ ही चौथे से छठे स्थान पर रहने वाली टीमों के लिए 4,000 रुपए का सांत्वना पुरस्कार। प्रत्येक क्षेत्र से शीर्ष दो टीमें 3 राष्ट्रीय सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और इसके बाद, प्रत्येक सेमीफाइनल से शीर्ष दो राष्ट्रीय फाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करेंगी। इच्छुक इंजीनियरिंग और प्रबंधन के छात्र अपना क्रेडेंशियल पहले से ईमेल पर भेज सकते हैं- wrwelectronquiz@ntpc.co.in. राष्ट्रीय सेमीफाइनल और ग्रैंड फिनाले क्रमशः 27 और 28 फरवरी, 2025 को एनटीपीसी-पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (पीएमआई) में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर, दांव अधिक हैं, जिसमें प्रथम पुरस्कार 50,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 30,000 रुपए और तृतीय पुरस्कार 20,000 रुपए है। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर आने वाली टीमों को 8,000 रुपए मिलेंगे, जबकि शेष बारह टीमों को 4,000 रुपए दिए जाएंगे। इंजीनियरिंग और प्रबंधन के छात्रों के लिए आयोजित प्रतियोगिता, जिसमें प्रत्येक टीम में दो सदस्य होते हैं, का उद्देश्य ज्ञान को बढ़ाना, आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना और शिक्षा और इसके वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना है। एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज़, जो 2004 से आयोजित किया जा रहा है, बौद्धिक कौशल को प्रदर्शित करने और विचारकों और समस्या-समाधानकर्ताओं की एक पीढ़ी को पोषित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। जैसा कि एनटीपीसी अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा है, इस वर्ष की क्विज़ उत्कृष्टता और सहयोग को बढ़ावा देते हुए प्रगति को शक्ति देने की कंपनी की विरासत का प्रतीक है। एनटीपीसी लिमिटेड देश की बिजली की जरूरत का एक चौथाई हिस्सा पूरा करता है। थर्मल, हाइड्रो, सोलर और विंड पावर प्लांट के विविध पोर्टफोलियो के साथ, एनटीपीसी देश को विश्वसनीय, किफायती और टिकाऊ बिजली देने के लिए समर्पित है। कंपनी हरित भविष्य के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354